राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 23 मई 2022 वर्ष–5,अंक–117 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री मोदी ने थामस कप और उबर कप के चैंपियनों से की मुलाकात

बोले-आपने सात दशकों का इंतजार खत्म किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थामस कप और उबर कप के बैडमिंटन चैंपियनों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। बातचीत के दौरान पीएम ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने देश की शान को बढ़ा दिया है मैं देश की ओर से पूरी टीम को बधाई देता हूं। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। और इस कप से खिलाड़ियों ने यह बताया है कि एक हार से कुछ नहीं होता अगर आपमें कुछ करने का जज्बा है तो सब मुमकिन है।

निर्णायक मैच पर खिलाड़ियों ने साझा किए अनुभव-पीएम ने बातचीत के दौरान कहा कि किसी भी टूर्नामेंट में कोई भी निर्णायक मैच सांस खींच लेने वाला होता है। इसपर खिलाड़ियों ने कहा कि मैच चाहे पहला हो या अंतिम हमने हमेशा देश की जीत को देखा।

सात दशकों का इंतजार खत्म किया-पीएम ने इसी के साथ सभी खिलाड़ियों को इस जीत की बधाई दी और कहा कि आपकी इस जीत के चलते ही देश का सात दशकों का इंतजार खत्म किया है। देश 70 सालों से थामस कप में जीत का इंतजार कर रहा था।

पीएम ने खिलाड़ियों को दिया गुरू मंत्र-पीएम ने कहा कि अब देश की अपेक्षा आपसे बढ़ गई है। इसलिए आपको इसके चलते दबाव में नहीं आना है। आपको हमेशा अपना बेस्ट देना है। पीएम ने कहा कि अब देश में

खेल के लिए सवर्णिम युग शुरू हो गया है। पीएम ने इसी के साथ कहा कि सरकार आप सबको हर तहर की मदद देगी। उन्होंने देश के सभी खिलाड़ियों को यह विश्वास दिलाया कि सरकार उनका हर कदम पर साथ देगी।

किदांबी श्रीकांत ने पीएम को कहा थैंक्यू-थॉमस कप में अहम रोल निभाने वाले किदांबी श्रीकांत ने पीएम मोदी का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमारे एथलीटों को यह कहते हुए हमेशा गर्व होगा कि हमें अपने प्रधानमंत्री का समर्थन प्राप्त है। यह अतुलनीय है। जिस तरह से उन्होंने हमारे मैच के ठीक बाद हमसे बात की, उससे मैं बहुत खुश हूं। यह सभी खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

● पीएम ने इसी के साथ सभी खिलाड़ियों को इस जीत की बधाई दी और कहा कि आपकी इस जीत के चलते ही देश का सात दशकों का इंतजार खत्म किया है। देश 70 सालों से थामस कप में जीत का इंतजार कर रहा था।

युवा खिलाड़ियों का रवैया ही देश की ताकत

पीएम ने बातचीत के दौरान कहा कि हां, हम कर सकते हैं का रवैया आज देश में नई ताकत बन गया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि सरकार हमारे खिलाड़ियों को हर संभव सहायता देगी।

अदालत में कानून पर भारी पड़ता रहा है संवैधानिक अधिकार, 1991 के पूजा स्थल कानून पर छिड़ी है बहस

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद में एक तरफ मां श्रृंगार गौरी व अन्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के अधिकार तो दूसरी ओर 1991 के पूजा स्थल (विशेष प्रविधान) की लड़ाई चल रही है। एक वर्ग इस कानून के प्रविधानों को संविधान में प्राप्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बता रहा है तो दूसरा वर्ग संसद से पारित कानून का कड़ाई से अनुपालन कराने की मांग कर रहा है। वैसे, अदालत की कसौटी पर अक्सर संवैधानिक अधिकार कानूनों पर भारी पड़ते देखे गए हैं। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ की टिप्पणी से भी इस बात को बल मिलता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 1991 का कानून धार्मिक स्वरूप पता करने पर प्रतिबंध नहीं लगाता। इलाहाबाद हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एसआर सिंह कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट किसी भी कानून की वैधानिकता तीन आधारों पर परखता है। पहला, कानून संविधान में मिले मौलिक अधिकारों का हनन तो नहीं करता। दूसरा, कानून संविधान के किसी और प्रविधान का उल्लंघन तो नहीं करता और तीसरा, क्या इस कानून को पारित करने का संसद या विधानसभा को अधिकार था।इन तीन में से किसी भी एक के उल्लंघन पर कानून अदालत से असंवैधानिक घोषित हो जाता है। जस्टिस सिंह कहते हैं कि यह कानून कहता है कि धार्मिक स्थल की वही स्थिति रहेगी जो 15 अगस्त 1947 को थी। कानून धार्मिक स्थल का स्वरूप बदलने पर रोक लगाता है, लेकिन इस कानून में धार्मिक स्वरूप तय करने पर रोक नहीं है। यानी अदालत यह तय कर सकती है कि 15 अगस्त 1947 को किसी धार्मिक स्थल का स्वरूप क्या था। 15 अगस्त 1947 से पहले वह धार्मिक स्थल मंदिर था या मस्जिद, यह बात अदालत तय कर सकती है। कानून में कहा गया है कि इसके लागू होने के बाद धार्मिक स्थल का स्वरूप बदलने की मांग वाले जितने भी मुकदमे अदालत में लंबित होंगे, वे समाप्त हो जाएंगे।

सिद्धार्थनगर में एनएच 28 पर भीषण सड़क हादसा, 8 बारातियों की मौत, 3 घायल

सिद्धार्थनगर। जोगिया थाना क्षेत्र के कटया गांव के पास शनिवार की देर रात सड़क के किनारे खड़ी ट्रेलर में बारातियों से भरी बोलेरो घुस गई। इसमें आठ बारातियों की मौत हो गई जबकि तीन घायल हो गए। मृतकों में सात शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के महला गांव के व एक चिल्हिया थाना क्षेत्र के खम्हरिया गांव का था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के महला गांव से शनिवार को बारात शिवनगर डिड़ई थाना क्षेत्र के महुअवा गांव गई हुई थी। देर रात बारात से एक बोलेरो में ड्राइवर समेत 11 लोग वापस घर आ रहे थे। अभी वह जोगिया थाना क्षेत्र के कटया गांव के पास पहुंचे ही थे कि बोलेरो सड़क के किनारे खड़ी ट्रेलर में घुस गई। इसमें महला गांव निवासी सचिन पाल(10) पुत्र कृपानाथ पाल,

मुकेश पाल(35) पुत्र विभूती पाल, लाला पासवान(26), शिवसागर यादव(18) पुत्र प्रभु यादव, रवि पासवान(19) पुत्र राजाराम, पिंटू गुप्त (25)पुत्र शिवपूजन गुप्त, व चिल्हिया थाना क्षेत्र के खम्हरिया गांव निवासी गौरव मौर्य पुत्र राम सहाय की मौत हो गई। जबकि महला गांव निवासी राम भरत पासवान उर्फ शिव(48) पुत्र तिलक राम पासवान, सुरेश उर्फ चीनक(40) पुत्र पन्नू लाल पासवान, विक्की पासवान(18) पुत्र अमर पासवान, शुभम(20) पुत्र कल्लू गौंड़ घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और चारों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने राम भरत व सुरेश उर्फ चीनक की हालत गंभीर देख बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया जहां रामभरत की मौत हो गई। वहीं विक्की व शुभम का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

हर जिले में AICC सचिवों की नियुक्ति, प्रियंका गांधी की टीम से एक तिहाई

नई दिल्ली। आखिरकार हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की टीम सक्रिय हो चुकी है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने प्रदेश के हर जिले में एक राष्ट्रीय सचिव नियुक्त करने का फैसला किया है। खास बात यह है कि इन सचिवों में से एक तिहाई प्रियंका गांधी की टीम से हैं। यह इस बात का संकेत है कि प्रियंका गांधी इस बार हिमाचल में सत्ता में वापसी को लेकर मिशन पर हैं। इससे पहले कांग्रेस ने हाल ही में अपने नए प्रदेश अध्यक्ष का भी ऐलान किया है।

दरअसल, चुनाव से पहले हिमाचल प्रदेश के बारह जिलों में सचिवों के रूप में जिन नेताओं को कमान मिली है उनमें दीपिका पांडे, चंदन यादव, राजेश तिवारी, रोहित चौधरी, धीरज गुर्जर, प्रदीप नरवाल, विकास उपाध्याय, विजय सिंगला, चेतन चौहान जैसे चेहरे शामिल हैं। जिन युवा नेताओं को प्राथमिकता दी गई है उनमें आधे से ज्यादा हाल के चुनावी राज्यों में जिम्मेदारी निभा चुके हैं। कांग्रेस मुख्यालय में इन सभी नेताओं की संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रभारी राजीव शुक्ला ने बैठक कर जरूरी निर्देश दिए हैं। बैठक में मौजूद नेताओं में से एक ने न्यूज एजेंसी को बताया कि यह एक प्रारंभिक बैठक

थी, लेकिन उन्हें बूथ प्रबंधन और बूथ समितियों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया है, जिन्हें चुनाव जीतने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके अलावा जून में शिमला में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाने की भी योजना बनाई जा रही है। हाल ही में हिमाचल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने मंडी से सांसद और दिवंगत पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रतिभा सिंह को चार सहयोगी नेता भी दिए गए हैं जो उनकी मदद करेंगे। विधायक दल के नेता के तौर पर कांग्रेस ने मुकेश अग्निहोत्री पर ही भरोसा जताया है जो चार बार से विधायक हैं। वहीं वरिष्ठ नेता हर्षवर्धन चौहान को पार्टी ने विधायक दल के डिप्टी के तौर पर चुना है। इसके अलावा पार्टी ने पूर्व राज्य ईकाई अध्यक्ष सुखविंदर सिंह सुखू को राज्य में चुनाव प्रचार समिति का चेयरमैन नियुक्त किया है। इसके अलावा उन्हें ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की सक्रीनिंग कमेटी का भी सदस्य बनाया गया है जो चुनाव के दौरान उम्मीदवारों के चुनाव का फैसला करेगी। कांग्रेस ने राज्यसभा में कांग्रेस के पूर्व उप नेता आनंद शर्मा को स्क्रीनिंग कमेटी का प्रमुख बनाया है। इस कमेटी में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की पंजाब ईकाई की पूर्व इंचार्ज और वरिष्ठ विधायक आशा कुमार संयोजक की भूमिका में होंगी।

असम में वायुसेना ने बाढ़ में फंसे कई लोगों को सुरक्षित निकाला, राहत सामग्री भी पहुंचाई

असम में बाढ़ का कहर जारी है। कई जिले बाढ़ की चपेट में है। इसी बीच वायुसेना ने कमान संभाल ली है। भारतीय वायु सेना लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचा रही है। वह बाढ़ के कारण कटे हुए क्षेत्रों में बचाव दल और राहत सामग्री को पहुंचा रही है।

नई दिल्ली। असम में बाढ़ ने भीषण तबाही मचायी हुई है। 31 जिलों के छह लाख 80 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ में प्रभावित हैं। बाढ़ के जारी कहर को देखते हुए वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। वायुसेना के जवान राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। वह बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ ही बचाव दल और राहत सामग्री को बाढ़ के कारण कटे हुए क्षेत्रों में भी पहुंचा रहे हैं।

अब पूजा पाठ के लिए खुलेंगे ASI संरक्षित मंदिर, 1958 के कानून में किया जा सकता है संशोधन

नई दिल्ली। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में आने वाले बंद मंदिरों में धार्मिक गतिविधियां शुरू करने की मंजूरी मिल सकती है। ऐसे मंदिरों में पूजा-पाठ की अनुमति देने के लिए 1958 के कानून में संशोधन किया जा सकता है। सरकार शीतकालीन सत्र में इससे संबंधित संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। इसके पीछे सोच यह है कि इससे इन मंदिरों का रख-रखाव आसान होगा।

उच्च पदस्थ सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस समय देश में एएसआइ के संरक्षण में लगभग 3,800 धरोहर हैं। इनमें एक हजार से अधिक मंदिर हैं। इनमें से केरल के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर और उत्तराखंड के जागेश्वर धाम जैसे बहुत कम मंदिर हैं, जहां पूजा-अर्चना होती है। अधिकतर मंदिर बंद पड़े हुए हैं और उनमें किसी भी तरह की धार्मिक गतिविधि प्रतिबंधित हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर स्थित मार्तंड मंदिर जैसे बहुत सारे ऐसे मंदिर भी हैं, जिनके खंडहर के रूप में अवशेष ही बचे हैं। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के मार्तंड मंदिर में पूजा करने पर एएसआइ ने स्थानीय प्रशासन को पत्र लिखकर कड़ा एतराज जताया था।

मंदिर संरक्षित कानून का मकसद पूरा नहीं हो रहा-दरअसल, प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 में संरक्षित मंदिरों में धार्मिक गतिविधियों की अनुमति नहीं है। संस्कृति मंत्रालय, जिसके तहत एएसआइ आता है, के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंदिर को संरक्षित करने के जिस उद्देश्य से यह कानून लाया गया था, वह पूरा नहीं हो रहा है। उल्टे लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित होने के कारण मंदिरों की स्थिति खराब हो रही है।

एएसआइ के पास रखरखाव के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं-अधिकारी ने कहा कि एएसआइ ने इन मंदिरों को संरक्षित तो कर लिया है, लेकिन उनकी देखभाल के लिए उसके पास उतने कर्मचारी भी नहीं हैं। कई मंदिरों की तो साल में एक बार साफ-सफाई की जाती है, बाकी पूरे समय उनमें ताले जड़े रहते हैं। पूजा-पाठ व अन्य धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देने से न सिर्फ उन स्थानों की देखरेख सुनिश्चित हो सकेगी, बल्कि इनके संरक्षण के लिए स्थानीय लोगों का जुड़ाव भी बढ़ेगा।

कई जगह मंदिर के नाम पर खंडहर ही बचे-संस्कृति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एएसआइ संरक्षण में बंद पड़े मंदिरों की स्थिति अलग-अलग है। कई मंदिरों में मूर्तियां खंडित अवस्था में हैं तो कई जगह मूर्तियां हैं ही नहीं। हिंदू शासकों के किलों में कई ऐसे मंदिर मौजूद हैं। वहीं, कई जगहों पर मंदिर के नाम पर सिर्फ खंडहर बचे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी मंदिरों को वर्गीकृत किया जा रहा है। जिन मंदिरों में मूर्तियां सही-सलामत हैं और भवन की स्थिति भी ठीक है, वहां तत्काल पूजा-पाठ की इजाजत दी जा सकती है।

गुजरात चुनाव: दलित वोटरों को लुभाने के लिए बीजेपी ने तैयार किया यूपी वाला फार्मूला

अहमदाबाद। जैसे जैसे गुजरात विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, राजनीतिक पार्टियां अपने अभियान को तेज कर रही हैं। इसी कड़ी में भाजपा ने भी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा अपनी दलित पहुंच को तेज करना चाहती है। इसी कड़ी में भाजपा ने दलित वोट बैंक को देखते हुए खुद को उनकी पार्टी के रूप में पेश करने की कोशिश शुरू की है। इन्हें अब तक परंपरागत रूप से बसपा का वोट बैंक माना जाता है।

योजनाओं का प्रचार और दलित नेताओं को आगे करना

असल में गुजरात में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। चुनावों को लेकर भाजपा अनुसूचित जातियों और जनजातियों पर ध्यान केंद्रित करेगी। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि पिछले सप्ताह गुजरात में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक चिंतन बैठक के बाद पार्टी ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए तैयार की गई योजनाओं को बढ़ाने और समुदाय के नेताओं के साथ बैठकें आयोजित करने का फैसला किया है।

यूपी चुनाव का फार्मूला गुजरात में

रिपोर्ट्स के मुताबिक 2011 की जनगणना के अनुसार गुजरात की आबादी में अनुसूचित जातियों की संख्या सात प्रतिशत है जबकि अनुसूचित जनजातियों की संख्या लगभग 15 प्रतिशत है। ओबीसी के 40 प्रतिशत प्रमुख जाति समूह हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 182 में से 99 सीटों पर जीत हासिल की थी। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उत्तर प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा करने के बाद दलित पहुंच को तेज करने की आवश्यकता महसूस की गई और रूपरेखा तय की गई कि बसपा वोट बैंक को अपना वोट बैंक बनाने के लिए तगड़े प्रयास करने होंगे।

अब तक बसपा का वोट बैंक बरकरार रहा!

उत्तर प्रदेश के एक पार्टी पदाधिकारी ने कहा कि अब तक बसपा के वोट बैंक के भाजपा की ओर शिफ्ट होने की बजाय हमें केवल 15 प्रतिशत वोट मिले, जबकि बड़ा हिस्सा (करीब 35 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी को मिला और शेष 50 प्रतिशत मायावती की तरफ ही बरकरार रहा। एक उदाहरण का हवाला देते हुए पदाधिकारी ने कहा कि आगरा ग्रामीण सीट पर जहां भाजपा की जाटव नेता बेबी रानी मौर्य ने बसपा की किरण प्रभा केशरी को 76,000 मतों के अंतर से हराया, बसपा उम्मीदवार कुल एससी वोटों का 70त्न प्राप्त करने में सफल रही।

अपनी योजनाओं के दम पर भाजपा प्रयासरत

फिलहाल भाजपा अपनी गरीब समर्थक नीतियों के आधार पर अनुसूचित जाति समुदायों को लुभाती रही है। जिसमें रियायती आवास, शौचालय और मुफ्त राशन की योजनाएं शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में जहां एससी का वोट बैंक का लगभग 20त्न हिस्सा है, पार्टी की पहुंच इन सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिए के समुदायों के लिए सामाजिक योजनाओं पर केंद्रित थी।

संघ भी सक्रिय और संगठन भी सक्रिय

पार्टी की पहुंच को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी सामाजिक समरस्ता और सामाजिक सद्भाव जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हाल ही में भाजपा मुख्यालय में आठ घंटे लंबी मैराथन बैठक हुई, जिसमें देश भर के कार्यकर्ताओं ने एससी मतदाताओं को लुभाने के लिए बातचीत की। फिलहाल देखना यह है कि भाजपा का यूपी फार्मूला गुजरात में कहां तक सफल होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। - रहीम

संपादकीय

किसकी हिम्मत, जो अंग्रेजी की हटाए?

(लेखक/-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए कई मुद्दे उठाए, जिसमें भाषा का मुद्दा प्रमुख था। राजभाषा हिंदी को लेकर पिछले दिनों दक्षिण में काफी विवाद छिड़ा था। मोदी ने यह तो बिल्कुल ठीक कहा कि सभी भारतीय भाषाओं को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए लेकिन मोदी ने यह नहीं बताया कि पिछले 75 साल में बनी सभी सरकारें क्या देश की एक भी भाषा को उसका उचित सम्मान और स्थान दिला सकी हैं। मोदी सहित सभी प्रधानमंत्रियों ने अंग्रेजी के आगे अपने घुटने टेक रखे हैं। सभी भाषाओं को अपनी नौकरानी बनाकर अंग्रेजी खुद महारानी बनी बैठी है। सरकारें चाहे कांग्रेस की हों, भाजपा की हों, जनता पार्टी की हों, समाजवादी पार्टी की हों, कम्युनिस्ट पार्टी की हों या प्रांतीय पार्टियों की हों, सभी आज तक अंग्रेजी की गुलामी करती रही हैं। उन समस्त लोकसभाओं और विधानसभाओं में कानून सदा अंग्रेजी में बनते रहे हैं, उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों के फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं, मंत्रिमंडल के सभी फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं और हमारी उच्च नौकरशाही अंग्रेजी की गुलामी में सबसे आगे बनी रहती है। जब मेरे मास्को, लंदन और न्यूयार्क के सहपाठी पहली बार भारत आते हैं, वे हमारे बाजारों के अंग्रेजी नामपटों को देखकर और दिल्ली में अंग्रेजी के इतने अखबारों को देखकर दंग रह जाते हैं। वे कहते हैं कि किसी भी आजाद देश में हमने ऐसी सांस्कृतिक गुलामी नहीं देखी। भारत की शिक्षा और चिकित्सा में भी अंग्रेजी छाई हुई है। जब अब से लगभग 55-56 साल पहले मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शोधग्रंथ हिंदी में लिखने की मांग की थी तो भारत की संसद ठप्प हो गई थी। आखिरकार मेरी विजय हुई। जवाहरलाल नेहरु विवि में सबसे पहली पीएच.डी. लेनेवालों में मेरा नाम था लेकिन आज तक भारत के कितने विश्वविद्यालयों में कितनी पीएच.डी. हिंदी माध्यम से हुई हैं? इसी प्रकार कई स्वास्थ्य मंत्रियों ने मुझसे वादा किया कि वे मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरु करवाएंगे लेकिन क्या आज तक वह शुरु हुई? अदालत की कार्रवाई, वकालत और डॉक्टरी देश में ठगी के सबसे बड़े धंधे इसीलिए बने हुए है कि उन्होंने जादू-टोने का रूप ले लिया है। महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया ने अंग्रेजी की इस गुलामी के दुष्परिणामों को बहुत अच्छी तरह रेखांकित किया था। गुरु गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय और अटलजी तथा मुलायमसिंह, राजनारायण और मधु लिमये ने इस अभियान को जमकर चलाया था लेकिन आजकल के सभी नेता और सभी दल वोट और नोट के खेल में मदमस्त हो रहे हैं या भाषाई मुद्दे पर उनकी समझ इतनी सतही है कि इस मर्ज़ का असली इलाज उनकी अक्ल के परे है। उनके लिए मेरा एक ही मंत्र है- अंग्रेजी को मिटाओ मत लेकिन अंग्रेजी को हटाओ। अगर आप उसे हटा सके तो हिंदी एवं समस्त भारतीय भाषाएं तो अपने आप सम्मान पा जाएंगी।

आज के कार्टून

जीवन का महत्त्व

आचार्य रजनीश ओशो

पिछले 300 वर्षो में विज्ञान ने स्वयं मानव जाति के लिए जिस बेहद विशाल समस्या को जन्म दिया है, वह है स्वयं अपने लिए सम्मान की संभावना को पूरी तरह समाप्त कर देना। जिस क्षण व्यक्ति अपना सम्मान करना भूल जाता है.. उसी क्षण वह जीवन के सभी सुखों से किनारा कर लेता है.. वह आत्माविहीन एक शरीर की भांति रह जाता है। विज्ञान का यही मानना है कि मनुष्य जाति मात्र एक घटना का परिणाम है.. मनुष्य का अस्तित्व केवल एक घटना है। विज्ञान की ओर से दी जा रही यह शिक्षा हर किसी के मस्तिष्क में घर करती जा रही है। मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि किसी को उसकी भी जरूरत हो। जब आपको यह अहसास हो जाता है कि किसी के लिए आप जरूरी हैं..उसी समय आपको परमानंद की अनुभूति होती है। भले ही आप किसी एक ही व्यक्ति के लिए जरूरी क्यों न हो..आपको आपका महत्त्व समझ आने लगता है। देखिए न कि संतान को एक मां के रूप में आपकी जरूरत है..आपके पति को पत्नी के रूप में आपकी जरूरत है..आपके दोस्त को एक दोस्त के तौर पर आपकी जरूरत है..यह अहसास ताउम्र संतुष्ट होकर जीने के लिए काफी है। आपके बिना कोई अधूरा महसूस करेगा..आप किसी के लिए बहुत जरूरी हैं.. यह बात आपके जीवन को अर्थ देती है। एक धार्मिक व्यक्ति वही है जिसे यह ज्ञान हो कि ब्रह्मांड को उसकी जरूरत है..ऐसी स्थिति में उसकी खुशी का कोई अंत नहीं होता। भले ही एक ही व्यक्ति क्यों न आपको चाहकर..आपकी जरूरत को महसूस कर आपको जीवन जीने का अर्थ समझाए.. उसका ऐसा महसूस करना ही आपके लिए काफी है..जरा सोचिए जब पूरा ब्रह्मांड आपको चाहने लगेगा.. आपकी जरूरत को महसूस करने लगेगा तब आपकी खुशी कितनी ज्यादा होगी। शायद तब आपको मनुष्य रूप में जन्म लेने का वास्तविक अर्थ समझ आएगा। कहने की जरूरत नहीं कि उस दिन, उस पल ऐसा होने पर अचानक आपका जीवन आपके लिए एक खूबसूरत कविता बन जाएगा.. ऐसा खूबसूरत गाना जिसकी धुन पर आप बिना धुन के भी नृत्य करने लगते हैं..आपको बस अपने जीवन के महत्त्व को समझना आना चाहिए।

ग्लोबल वार्मिंग से नये वायरसों का खतरा

मुकुल व्यास

पृथ्वी का गर्म होना भविष्य के लिए अच्छी खबर नहीं है हालांकि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अभी से दिखने लगे हैं। आने वाले समय में इन प्रभावों में और वृद्धि होगी। पृथ्वी के गर्म होने पर समस्त पर्यावरण और जानवरों के पर्यावास पर भी असर पड़ेगा। जंगली जानवर अपने आवास के लिए उन स्थानों की तरफ पलायन करेंगे जहां मनुष्यों की बड़ी आबादी रहती है। मनुष्य के निकट जानवरों के पहुंचने पर मनुष्यों में वायरसों के जंप करने का खतरा बहुत बढ़ जाएगा। यह स्थिति अगली महामारी को जन्म दे सकती है। अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय रिसर्चरों ने जलवायु परिवर्तन के साथ वायरस के प्रसार के संबंध का गहन अध्ययन किया है। अपने अध्ययन में रिसर्चरों ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से दुनिया के स्तनपायी जीवों में रहने वाले वायरसों में क्या-क्या परिवर्तन होंगे। उन्होंने इस बात पर गौर किया कि जानवरों की प्रजातियां अपने आवास को नए क्षेत्रों में ले जाने के लिए लंबी यात्राएं करेंगी। ऐसा करते हुए उनका सामना पहली बार दूसरे स्तनपायी जीवों से होगा और वे हजारों वायरस आपस में साझा करेंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह के स्थान परिवर्तनों से इबोला और कोरोना वायरसों जैसे वायरसों को नए क्षेत्रों में प्रकट होने के ज्यादा अवसर मिल जाएंगे और इनका पता लगाना मुश्किल हो जाएगा। ये वायरस जानवरों की नई प्रजातियों में दाखिल होंगे जहां से उनके लिए मनुष्यों में प्रविष्ट करना आसान हो जाएगा। नए अध्ययन के प्रमुख लेखक कोलिन कार्लसन ने कहा कि दुनिया जंगली जानवरों के व्यापार से जुड़े खतरे देख चुकी है और उसके परिणाम भी भुगत चुकी है। जानवरों की मंडियों में अस्वस्थ जानवर लाने से वायरसों के उदय के अवसर यकायक बढ़ जाते हैं। उदाहरण के तौर पर सार्स वायरस चमगादड़ों से सिवेट बिल्लियों में पहुंचा और सिवेट से मनुष्यों में पहुंच गया। जलवायु परिवर्तन के बाद इस तरह की प्रक्रिया सर्वत्र दिखेगी। चिंता की बात यह है कि जानवरों के आवास असंगत रूप से मानव बस्तियों की तरफ बढ़ेंगे। इससे वायरस के जंप करने के नए हॉट स्पॉट बनेंगे। वैसे इस समय यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी होगी क्योंकि आज दुनिया 1.2 डिग्री ज्यादा गर्म हो चुकी है। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों को कम करने के प्रयासों के बावजूद नए वायरसों के उभरने की प्रक्रिया को रोक पाना संभव नहीं होगा। नए अध्ययन में एक और महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि बढ़ते हुए तापमान से चमगादड़ों की आबादियों पर गहरा असर पड़ेगा। चमगादड़ वायरस के सबसे बड़े कुंड या वाहक माने जाते हैं। उड़ने में सक्षम होने के कारण वे लंबी दूरियों की यात्रा कर सकते हैं और अपने अधिकांश वायरस साझा कर सकते हैं। वायरस के उदय में उनकी केंद्रीय भूमिका को देखते हुए सर्वाधिक प्रभाव दक्षिण-पूर्वी एशिया में पड़ेगा जो चमगादड़ों की विविधता का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। अध्ययन के लेखकों का कहना है कि हमने कई वर्षों तक अलग-अलग डेटा के साथ अपने नतीजों को बार-बार चेक किया और दिलचस्प बात यह है कि हमारे मॉडलों ने हमेशा वही निष्कर्ष निकाले। उनका मानना है कि यदि वायरस मेजबान प्रजातियों में अप्रत्याशित दर से जंप करने लगे तो वन्य जीव संरक्षण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव चौंकाने वाले होंगे। इस अध्ययन के सह-लेखक ग्रेगरी एलबेरी का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि ये नए वायरस किस प्रकार संबद्ध प्रजातियों को प्रभावित करेंगे लेकिन इस बात की संभावना प्रबल है कि इनमें से कई वायरस मनुष्यों में नई महामारियों को जन्म दे सकते हैं। इस अध्ययन का मुख्य निष्कर्ष यह है कि जलवायु परिवर्तन से नई बीमारियों के उदय का सबसे बड़ा खतरा है। इस अध्ययन के लेखकों का कहना है कि इसका समाधान खोजने के लिए वन्य जीवों में होने वाली बीमारियों पर नजर रखने के साथ-साथ पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों का निरंतर अध्ययन करना पड़ेगा। हमें वास्तविक समय में यह पता लगाना पड़ेगा कि कौन-कौन सी मेजबान प्रजातियों से वायरस मनुष्यों में जंप कर रहा है। तभी हम इस प्रक्रिया को महामारी का रूप लेने से रोक पाएंगे। इस अध्ययन से जुड़े वैज्ञानिक कार्लसन ने कहा कि हम अगली महामारी का पूर्वानुमान लगाने और उसे रोकने

के काफी करीब पहुंच गए हैं। यह पूर्वानुमान की दिशा में बड़ा कदम है। अब हमें इस समस्या के असली कारणों के निवारण की दिशा में काम करना चाहिए। अमेरिका के नेशनल साइंस फाउंडेशन के एक कार्यक्रम निदेशक सेम शाइनर का कहना है कि कोविड महामारी और सार्स, इबोला और जीका वायरसों से फैली पिछली महामारियों से स्पष्ट है कि जानवरों से मनुष्यों में जंप करने वाले किसी वायरस का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। इन वायरसों के जानवरों से मनुष्यों में जंप करने का पूर्वानुमान लगाने से पहले हमें यह मालूम होना चाहिए कि ये वायरस दूसरे जानवरों में किस हद तक फैले हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस रिसर्च से पता चलता है कि जानवरों के आवागमन और गर्म जलवायु में उनके मेलजोल से किस प्रकार प्रजातियों के बीच वायरसों के जंप करने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। कुछ वैज्ञानिकों ने चेताया है कि तापमान बढ़ने से आर्कटिक की स्थायी तुषार भूमि अथवा पर्माफॉस्ट के पिघलने से अतीत की भयंकर बीमारियां लौट सकती हैं। अभी यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि वायरस और दूसरे जीवाणु कितने समय तक तुषार भूमि में प्रसुप्त अवस्था में रह सकते हैं। इस संबंध में अभी और गहन अनुसंधान की आवश्यकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जिस शहर ने जिंदा रखा उसका कर्ज चुका रहा हूं

शिवम सोनी, युवा कारोबारी

उनकी आयु महज 26 साल है, मगर तजुर्बा शायद उम्र के आखिरी पड़ाव पर खड़े किसी बुजुर्ग से कम नहीं। सागर (मध्य प्रदेश) के इस नौजवान ने माता-पिता की इच्छा और एक चमकदार करियर के आकर्षण में इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला तो ले लिया था, पर कुछ ही दिनों के भीतर उसे यह पता चल गया कि वह तो इसके लिए बना ही नहीं है। लिहाजा शिवम सोनी ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। उनका मनपसंद क्षेत्र तो होटल मैनेजमेंट था। उनका निम्न मध्यवर्गीय परिवार रेस्तरां, टिफिन सर्विस से जुड़ा हुआ था। वह साल 2016 था। 20 साल के शिवम के इस फैसले से घरवाले कुछ निराश तो हुए थे, मगर बेटे की इच्छा का मां-बाप ने सम्मान किया। अपने दोस्तों से करीब 20 हजार रुपये कर्ज लेकर शिवम ने 'स्वीट-16' नाम से अपना रेस्तरां शुरू किया। रुचि का क्षेत्र था, परिजन साथ खड़े थे, काम चल निकला। अच्छा मुनाफा होने लगा था। मगर हर इंसान की तरह जिंदगी शिवम को भला निरापद कहां छोड़ने वाली थी? उसने उनका भी इम्तिहान लेना शुरू किया। पिता की मौत के सदमे से वह उबर पाते कि सोरायसिस ने उन्हें बुरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। खाने-पीने का कारोबार और चर्मरोग! छौंक और धुएं से त्वचा में तेज जलन होने लगती। शिवम ने कुछ ग्राहकों को बिदकते हुए भी देख लिया था। उन्हें एहसास हो गया कि ऐसी स्थिति में तो ये हमेशा के लिए उनके रेस्तरां से दूरी बना सकते हैं, इसलिए बेहतर है कि खुद ही इससे दूर हो जाया जाए। यह साल 2019 की शुरुआत थी। उन्होंने खुद को रेस्तरां से दूर करके इलाज पर ध्यान देना शुरू किया। नतीजतन, कारोबार में नुकसान होने लगा। एक ओर इलाज का खर्च और दूसरी तरफ, कारोबार में घाटा। जनवरी 2020 तक शिवम करीब 18 लाख रुपये के कर्ज में डूब चुके थे। रेस्तरां को बंद करना ही उन्हें उस वक्त मुनासिब जान पड़ा। जाहिर है, देनदारों का दबाव बढ़ता जा रहा था, और इसकी वजह से परिवार के भीतर भी तनाव की स्थितियां पैदा होने लगी थीं। इस नाजुक मोड़ पर पिता बेसाख्ता याद आए, मगर वह तो जा चुके थे। शिवम की निराशा गहराने लगी थी। चरम हताश पलों में कई बार ख्याल आया कि ऐसा जीवन किस काम का? इसे लाश की तरह ढोने का क्या फायदा? खुद को काल को सौंप देते हैं, शायद इससे सबका कुछ भला हो जाए? फिर मां और दोनों छोटे भाइयों का ख्याल आ जाता, अतिवादी कदम थम जाते थे। मगर बढ़ती उलझनों के बीच 21 मार्च को शिवम ने मां के नाम खत लिखा कि वह उन्हें तलाशने की कोशिश नहीं करें और घर से निकल गए। पॉकेट में सिर्फ 500 रुपये थे। न कोई लक्ष्य था, न कोई मंजिल। जिस बस में सवार हुए, वह उन्हें इंदौर ले आई थी। पर दुर्योग भी साथ चला आया था। कोविड-19 से निपटने के लिए अगले ही दिन पूरे देश में 'जनता कर्फ्यू' लग गया था। पूरा इंदौर बंद था। शिवम के लिए यह बिल्कुल अनजान शहर था। बिस्कुट के दो पैकेट से किसी तरह वह दिन काटा कि शायद कल कहीं कुछ काम मिल जाए। मगर एक दिन बाद ही लंबे लॉकडाउन की घोषणा रही-बची उम्मीदों पर वज्रपात-सी थी। चंद दिनों के भीतर ही सारे पैसे खत्म हो गए थे। कभी सड़क किनारे पुलिस से छिपकर, कभी स्टेशन पर, तो कभी सरकारी एमवाई अस्पताल की बेंचों पर रातें कटीं। उन डेढ़ महीनों में कभी फूड पैकेट बांटने वाले करम कर जाते, तो कभी कोई दानवीर बुलाकर कुछ खिला देता। दरियादिल इंदौर वालों ने शिवम को फाकाकशी से तो बचा लिया था, मगर उन्हें अपने पांवों पर खड़ा होना था। उन्होंने नौकरी की तलाश शुरू की। चूंकि उन दिनों काफी लोग अपने-अपने गांव लौट गए थे, इसलिए एक सरकारी अस्पताल में शिवम को सुरक्षा गार्ड की नौकरी मिल गई। कुछ महीनों में ही दिन-रात मेहनत करके उन्होंने इतने पैसे बचा लिए कि अपना छोटा-सा रेस्तरां खोल सकें। इस बीच उन्होंने अपने दोनों भाइयों से संपर्क किया, तो पता चला कि शिवम का कर्ज चुकाने के लिए मां ने घर बेच दिया। मां नहीं चाहती थीं कि उनके बेटे को लोग कोसें और बद्दुआएं दें। वह शिवम की सलामती के लिए हर दर पर माथा टेका करतीं। कोविड संक्रमण की खबरों ने उन्हें भयभीत कर रखा था। मां को पता चला, तो उन्होंने बेटे को फौरन सागर लौट आने को कहा। मगर शिवम उस शहर का कर्ज चुकाना चाहते थे, जिसने उनके दुर्दिनों में उन्हें जिंदा रखा। उन दिनों में वह एक गुरुद्वारे में लंगर छक चुके थे। इंसानियत की इस बेमिसाल सेवा-पद्धति ने शिवम पर गहरा असर डाला था। इसलिए उन्होंने अपने नए रेस्तरां का नाम रखा है- 'हंगर लंगर।' इंदौर में माता गुजरी कॉलेज के करीब स्थित इस रेस्तरां में शिवम महज 10 रुपये में पौष्टिक भोजन मुहैया कराते हैं, ताकि कोई उनके यहां से भूखा न जाए। 30 रुपये की थाली से अर्जित आय से वह 10 रुपये वाली योजना के घाटे की भरपायी कर लेते हैं। सप्ताह में एक दिन वह मुफ्त में लंगर लगाते हैं। 'हंगर लंगर' में हर रोज तकरीबन 500 लोग खाना खाने आते हैं। कई ग्राहक तो उन्हें बिल के अतिरिक्त भुगतान कर जाते हैं, ताकि उनका नेक कारोबार फलता-फूलता रहे। शिवम सोनी का नाम अब इंदौर के बाहर भी मकबूल हो चला है। दोनों छोटे भाई भी अब उनके कारोबार में हाथ बटाने सागर से इंदौर आ गए हैं। होटल मैनेजमेंट की डिग्री लेने की तैयारी कर रहे शिवम का इरादा पूरे इंदौर में 'हंगर लंगर' की शृंखला खोलने का है, ताकि इस शहर में कोई भूखा न सोए। भूख की तड़प वह जानते हैं। बेटे की इस कामयाबी से गदगद मां कहती हैं- 'चंद वर्षों में शिवम दशकों का सफर तय कर आया है। मुझे पूरा यकीन है, वह अपनी जिंदगी में बेहतर करेगा।' काश! हर हताश नौजवान में शिवम-सा धैर्य होता।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल -2123

		5		2	7	4		6
	9		5					1
6			9	8	1	2		
	4					8		7
		6		7		5		
8		9					1	
		3	8	1	2			4
4					6		5	
7		2	4	5		1		

सू-दोकू 2122 का हल

3	5	6	7	2	1	8	4	9
9	1	7	6	4	8	5	3	2
2	4	8	3	9	5	7	1	6
8	6	1	2	7	9	3	5	4
7	2	4	5	3	6	1	9	8
5	9	3	8	1	4	2	6	7
6	8	9	1	5	7	4	2	3
1	7	2	4	6	3	9	8	5
4	3	5	9	8	2	6	7	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2123

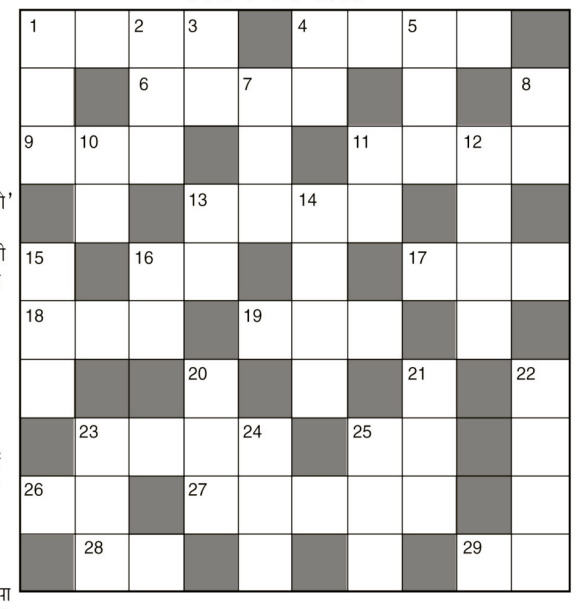

बायें से दायें:-

1. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-4
4. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-4
6. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
11. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-4
13. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-4
16. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-2
17. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-3
18. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-3
19. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-2
26. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-2
27. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-2,3
28. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
29. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-2

ऊपर से नीचे:-

12. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-4
13. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-2
14. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-4
15. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-3
16. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-3
21. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-3
22. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-4
23. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-3
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
25. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2122

को	ह	रा		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	रा		आ		त्मा		सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के		श		ओं	
	का		जू		मे	रा	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	रा		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

1. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-3
2. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-3
3. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-2
4. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-2
5. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-3
7. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-3
8. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-2
10. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-2
11. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गेल ने बठिंडा रिफाइनरी को गैस की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने एचपीसीएल मित्तल एनर्जी (एचएमईएल) की पंजाब की बठिंडा रिफाइनरी को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए एक समर्पित पाइपलाइन बिछाई है। कंपनी का इरादा पर्यावरणनुकूल ईंधन को देश के सभी हिस्सों तक पहुंचाने का है। कंपनी ने कहा कि यह बड़ी संख्या में ग्राहकों तक प्राकृतिक गैस को पहुंचाने की दिशा में अगला कदम है। एक बयान में कहा गया है कि इस पाइपलाइन के लिए गैस प्राप्त करने वाले स्टेशन का उदघाटन एचएमईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रभ दास ने किया। इस मौके पर गेल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनोज जैन, इंजीनियर्स इंडिया लि.की चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक वर्तिका शुक्ला और गेल के निदेशक (परियोजना) दीपक गुप्ता भी मौजूद थे।इस पाइपलाइन के जरिये एचएमईएल को प्रतिदिन 10 लाख मानक घनमीटर गैस की आपूर्ति की जाएगी। इस पाइपलाइन को बिछाने पर 142 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

सोने की कीमते घटेंगी या बढ़ेंगी, तय करेंगे पांच फैक्टर्स

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर की कीमत में गिरावट की वजह से घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में चार सप्ताह से जारी गिरावट पर लगाम लग गई और शुक्रवार को यह बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं कमजोर भारतीय रुपए ने मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज जैसे घरेलू सूचंकाकों पर बढ़त बनाने में सोने की मदद की। साथ ही वैश्विक इक्विटी बाजारों में जारी गिरावट ने सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की वैल्यू को और पुख्ता किया। बाजार विशेषज्ञों के मुतो बिक ऐसे ही फैक्टर्स के बारे में बात की गई है जिनसे निकट भविष्य में सोने के दाम प्रभावित होंगे, जो निम्नलिखित हैं-

डॉलर इंडेक्स: डॉलर की चाल सोने की कीमत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। अगर डॉलर की कीमत और घटती है तो सोने की कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

यूएस की पहली तिमाही का जीडीपी डेटा: आईआईएफएल सिक्योरिटीज के एक रिसर्च अे धिकारी ने कहा है, यूएस की पहली तिमाही का जीडीपी डेटा 26 मई 2022 को आएगा। अगर नतीजे उम्मीद से खराब आते हैं तो सोने के दाम में तेजी देखने तो मिल सकती है।

यूएस फेड की बैठक: अमेरिका के केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की अगले हफ्ते बैठक होने जा रही है। हालांकि, उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की जाएगी लेकिन बैठक के बाद तस्वीर और साफ हो जाएगी।

रुपया बनाम डॉलर: हाल ही में भारतीय रुपए ने डॉलर के मुकाबले अपना अब तक का न्यूनतम स्तर देखा था। अगर रुपया अपनी स्थिति में सुधार करता है तो सोने की कीमतें भी मजबूत होंगी।

ईंधन की कीमतें: बाजार के जानकार कहते हैं कि अगर ईंधन की कीमतों में लगातार इजाफा होता रहा तो लोग मुद्रास्फीति से बचाव के लिए सोने में निवेश करेंगे। यूरोपियन यूनियन द्वारा रूप से तेल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की आशंकाओं और चीन में लॉकडाउन में छूट से तेल की मांग और दाम दोनों में तेजी आ सकती है।

चीन छोड़कर भारत आ सकता है ऐप्पल

- निर्माण और व्यापार की संभावनाओं पर कर रहा विचार

नई दिल्ली ।
कोरोना काल के बाद जहां दुनियाभर के बाजार में कोहराम मचा हुआ है, ऐसे में भारत अर्थव्यवस्था के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि तमाम वैश्विक दिग्गजों कंपनियों की नजर में भारत निवेश के लिए सुरक्षित बाजार बन रहा है। कई बड़ी कंपनियां अन्य देशों से अपना कारोबार समेट कर भारत में पैठ जमाने की कोशिश में लगी हैं। ताजा मामला टेक जगत की दिग्गज कंपनी ऐप्पल से जुड़ा है। जानकारी मिली है कि ऐप्पल चीन से अपने उत्पादन को दूसरे देश में ट्रांसफर करने पर विचार कर रही है और उसे भारत एक अच्छा ऑप्शन नजर आ रहा है। एप्पल ने अपने कई अनुबंध निर्माताओं को निर्देश दिया है कि वह चीन के बाहर उत्पादन बढ़ाना चाहता है। भारत और वियतनाम में फिलहाल ऐप्पल के वैश्विक उत्पादन की बहुत ही कम हिस्सेदारी है। अनुमानों के अनुसार, स्वतंत्र निर्माता चीन में 90 प्रतिशत से अधिक ऐप्पल उत्पादों जैसे आईफोन, आईपैड और मैकबुक कंप्यूटरों का निर्माण करते हैं। पिछले महीने ऐप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा था कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला वास्तव में वैश्विक है, और इसलिए उत्पाद हर जगह बनाए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे अन्य देशों में संभावनाओं पर लगातार विचार कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि पिछले कुछ समय में ऐप्पल के वरिष्ठ अधिकारी लगातार इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। चीन से अपना कारोबार समेटने के पीछे एक्सपर्ट बीजिंग के दमनकारी शासन और अमेरिका के साथ उसके बढ़ते विवाद को वजह बता रहे हैं। पर्यवेक्षकों के अनुसार, चीन पर ऐप्पल की निर्भरता एक बड़े जोखिम से भरी है। एप्पल की निर्माण योजनाओं से परिचित लोगों के अनुसार, कंपनी अपनी बड़ी आबादी और कम लागत के कारण भारत को अगले चीन के रूप में देखती है। दरअसल, चीन में कुशल श्रमिकों की तादाद इतनी है कि यह संख्या कई एशियाई देशों की आबादी से अधिक है।

पावर ग्रिड का चौथी तिमाही का मुनाफा 18 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) का मार्च में समाप्त तिमाही में समेकित मुनाफा करीब 18 फीसदी बढ़कर 4,156.44 करोड़ रुपए रहा है। पीजीसीआईएल ने शनिवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि एक साल पहले समान तिमाही में उसका समेकित लाभ 3,526.23 करोड़ रुपए था। जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल०००० आय बढ़कर 11,067.94 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 10,816.33 करोड़ रुपए थी। 2021 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का खर्च 6,208.39 करोड़ था जो 2022 की मार्च तिमाही में 6,715.21 रहा। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 12.50 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है।

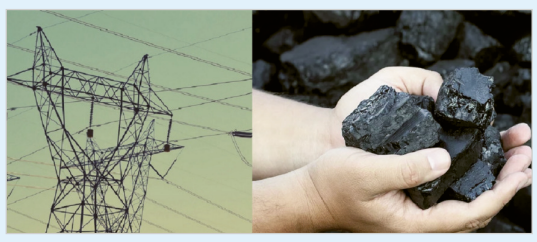

आयातित कोयले के मिश्रण से मई में बिजली उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली। कोयला आधारित उन घरेलू संयंत्रों से बिजली का उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक होकर 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जिन्होंने आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल किया। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक पिछले वर्ष इसी महीने में इन कोयला-आधारित संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। ऊर्जा मंत्रालय ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए जिनसे घरेलू कोयला आधारित (डीसीबी) संयंत्रों और आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) संयंत्रों में बिजली उत्पादन बढ़ा। गर्मियों के मौसम में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए मंत्रालय ने बिजली उत्पादन संयंत्रों से आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल करने को कहा था। डीसीबी संयंत्रों में बिजली उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जबकि पिछले वर्ष समान महीने में इन संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। वहीं आईसीबी संयंत्रों में यह 14.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 16 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया। आयातित कोयले से कुल बिजली उत्पादन मई 2022 में बढ़कर 30.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जो मई 2021 में 21.1 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। घरेलू कोयले से प्रतिदिन बिजली उत्पादन 246.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 324.4 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया।

(तेल-तिलहनों की साप्ताहिक समीक्षा)

इंडोनेशिया के निर्यात खोलने से बीते सप्ताह तेल-तिलहनों की थोक कीमतें हुई कमजोर

नई दिल्ली ।
वैश्विक बाजारों में खाने के तेलों की कीमतें तेज होने के बावजूद इंडोनेशिया द्वारा निर्यात खोलने के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन के डीऑयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में सुधार आया, जबकि गिरावट के आम रुख के अनुरूप सोयाबीन तेलों की कीमतें गिरावट के साथ बंद हुईं। विदेशों में सूरजमुखी को छोड़कर सोयाबीन, पामोलीन तेलों के दाम में लगभग 100 डॉलर की कमी हुई है। ऊंचे दाम पर देश में आयात घटा है और स्थानीय मांग की पूर्ति देशी तेल (सोयाबीन, मूंगफली, बिनौला और सरसों) से की जा रही है। इसमें सबसे अधिक दबाव सरसों पर है जो आयातित तेलों से कहीं सस्ता बैठता है। आयातित तेलों की मांग भी नहीं के बराबर है जिससे पिछले साल के मुकाबले इस बार अप्रैल में आयात लगभग 13 प्रतिशत घटा है। सूत्रों ने बताया कि हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में सरसों का भारी मात्रा में रिफाइंड बनाया जा रहा है। लेकिन आयातित तेलों की कमी को इन तेलों से पूरा करने की भी एक सीमा है। इसके कारण आने वाले दिनों में सरसों जैसे तिलहन की किल्लत पैदा हो सकती है। सूत्रों के मुतो बिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 100 रुपये टूटकर 7,515-7,565 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल 250 रुपये टूटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 15,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 40-40 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 2,365-2,445 रुपये और 2,405-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये लाभ के साथ क्रमशः 7,025-7,125 रुपये और 6,725-6,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। गिरावट के आम रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतें नुकसान के साथ बंद हुईं। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 400 रुपये की हानि के साथ 16,650 रुपये, सोयाबीन इंदौर 500 रुपये की गिरावट 16,000 रुपये और सोयाबीन डीगम का भाव 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव भी हानि दर्शाते बंद हुए। मूंगफली दाना 125 रुपये, मूंगफली तेल गुजरात 200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,710-6,845 रुपये और 15,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव भी 25 रुपये टूटकर 2,625-2,815 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी बाजारों में अधिक कीमत होने की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव भी 500 रुपये टूटकर 14,850 रुपये क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 600 रुपये टूटकर 16,350 रुपये और पामोलीन कांडला का भाव 520 रुपये टूटकर 15,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का भाव 350 रुपये टूटकर 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी रहेगा उतार-चढ़ाव

मुंबई:
अमेरिका में बेरोजगारी दर अनुमान से कम रहने और चीन के ब्याज दर में पंद्रह आधार अंक की कटौती से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने की उम्मीद में हुई लिवाली से बीते सप्ताह लगभग तीन प्रतिशत की तेजी में रहे शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी उतार-चढ़ाव रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1532.77 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54326.39 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 484 अंक की बढ़त लेकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16266.15 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली हुई। इससे मिडकैप 691.19 अंक चढ़कर 22506.85 अंक और स्मॉलकैप 1035.54 अंक उछलकर 26351.29 अंक पर पहुंच गया। निवेश सलाह देने वाली कंपनी स्वास्तिका इन्वेस्टमाट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति और मंदी निवेशकों के लिए चिंताजनक है। इसलिए, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि घरेलू निवेशकों के समर्थन के कारण भारतीय शेयर बाजार बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि मई वायदा सौदा निपटान को लेकर अगले सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। वैश्विक फ्रंट पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के मिनट्स 25 मई को जारी होंगे, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। साथ ही डॉलर इंडेक्स और अन्य कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव अगले सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे।

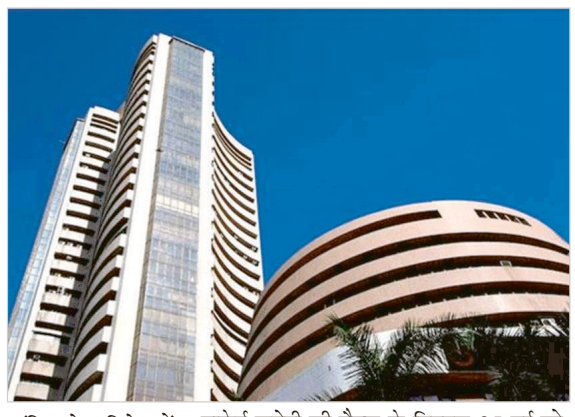

पीएनबी ने बीते वित्त वर्ष में एटीएम लेनदेन शुल्क से 645 करोड़ रुपये कमाए

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने बीते वित्त वर्ष 2021-22 में ग्राहकों से एटीएम लेनदेन शुल्क से 645 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। बैंक ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत किए गए एक आवेदन पर यह जानकारी दी है। बैंक ने कहा कि उसने बीते वित्त वर्ष में ग्राहकों से एटीएम लेनदेन शुल्क के रूप में 645.67 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा देश के सार्वजनिक क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक ने खातों में तिमाही/मासिक आधार पर न्यूनतम राशि (बैलेंस) नहीं रखने वाले ग्राहकों से कुल 239.09 करोड़ रुपये का जुर्माना भी वसूला है। मध्यप्रदेश के आरटीआई आवेदक मनोज गौड़ के आवेदन पर बैंक ने यह जानकारी दी है। वित्त वर्ष 2020-21 में बैंक ने खातों में न्यूनतम शेष नहीं रखने वाले ग्राहकों से 170 करोड़ रुपये की कमाई जुर्माने के रूप में की थी। यह राशि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 85,18,953 खातों से जुटाई गई। साथ ही शून्य शेष वाले खातों की संख्या के बारे में सवाल पर पंजाब नेशनल बैंक ने कहा कि 31 मार्च, 2022 तक कुल 6,76,37,918 ऐसे खाते थे।

केंद्र सरकार पंजाब से समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने को तैयार

चंडीगढ़ ।
केंद्र सरकार ने पंजाब में मूंग की फसल की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना लागू करने पर सहमति जताई है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार ने राज्य सरकार को एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि पंजाब में रबी सत्र 2021-22 के लिए पीएसएस दिशानिर्देशों, 2018 के अनुसार 4,585 टन ग्रीष्मकालीन 'मूंग' की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) को लागू करने की मंजूरी दी गई है। मूंग खरीद की तारीख राज्य सरकार द्वारा तय की जाएगी और खरीद की अवधि उस तारीख से 90 दिन की रहेगी। प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र की विज्ञप्ति से पता चला है कि केंद्रीय नोडल एजेंसी को खरीद शुरू होने से पहले पीएसएस दिशानिर्देशों के अनुसार वैज्ञानिक भंडारण स्थान की उपलब्धता की पुष्टि करनी चाहिए। पंजाब सरकार ने धान की खेती से पहले उगाए गए मूंग के लिए किसानों को एमएसपी प्रदान करने का फैसला किया है और इस सिलसिले में केंद्र से समर्थन मांगा है। ग्रीष्मकालीन मूंग 65 दिनों की फसल है जिसकी अनुमानित उपज लगभग पांच क्विंटल प्रति एकड़ होती है। बिना पॉलिश वाले मूंग का एमएसपी 7,275 रुपए प्रति क्विंटल है लेकिन आम तौर पर बाजार मूल्य इससे कहीं ज्यादा ही होता है। हालांकि, भारत घरेलू खपत के लिए हर साल पर्याप्त मात्रा में मूंग का आयात करता है। यदि राज्य के किसानों को इस तरह से प्रोत्साहित किया जाता है, तो पंजाब में 'मूंग' का उत्पादन कई गुना बढ़ाया जा सकता है। पंजाब सरकार ने पहले ही केंद्र से अनुरोध किया था कि वह उच्च प्रोटीन सामग्री वाली दालों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'मूंग' की पूरी फसल खरीद लें।

विदेशी निवेशकों ने मई में अब तक 35,000 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की

नई दिल्ली ।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अधिक आक्रामक ढंग से ब्याज दर में वृद्धि किए जाने की आशंका तथा डॉलर की मजबूती की चिंताओं के कारण एफपीआई ने इस महीने अब तक 35,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि की निकासी की है। इसके साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा शेयरों से शुद्ध धन निकासी वर्ष 2022 में अब तक 1.63 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। बाजार के जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक नीति एवं अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए आगे चलकर भारत में एफपीआई का प्रवाह निकट अवधि में अस्थिर बने रहने के आसार हैं। चूंकि अमेरिका का प्रमुख बाजार कमजोर है और डॉलर मजबूत हो रहा है जिससे एफपीआई द्वारा निकट भविष्य में बिकवाली जारी रहने की आशंका है। इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशक अक्टूबर-अप्रैल के सात महीनों में कुल 1.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बड़ी राशि की निकासी कर चुके हैं। हालांकि अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई शुद्ध निवेशक बन गए और बाजारों में गिरावट आने के कारण शेयरों में 7,707 करोड़ रुपए का निवेश किया। हालांकि कुछ राहत की सांस के बाद एक बार फिर वे छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह यानी 11-13 अप्रैल के दौरान शुद्ध बिकवाल बन गए और बाद के हफ्तों में भी बिकवाली जारी रही। आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई प्रवाह मई के महीने में अब तक नकारात्मक बना हुआ है और 2-20 मई के दौरान 35,137 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की गई है। भारत के अलावा, ताइवान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस सहित अन्य उभरते बाजारों में मई में अब तक धन निकासी देखी गई है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 425 परियोजनाओं की लागत 4.83 लाख करोड़ बढ़ी

मार्च-2022 तक इन परियोजनाओं पर खर्च हो चुके हैं 13,88,760.73 करोड़

नई दिल्ली ।

देरी और अन्य कारणों की वजह से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 425 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.83 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,579 परियोजनाओं में से 425 की लागत बढ़ी है, जबकि 664 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,579 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,95,196.72 करोड़ रुपये थी, जिसके बढ़कर 26,78,365.62 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 22.01 प्रतिशत या 4,83,168.90 करोड़ रुपये बढ़ी है। मार्च-2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,88,760.73 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 51.85 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 561 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 606 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 664 परियोजनाओं में 94 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 124 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 331 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 115 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 664 परियोजनाओं की देरी का औसत 42.41 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने 2021-22 में एनएफओ से 1.08 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । शेयर बाजारों में तेजी और खुदरा निवेशकों की रुचि बढ़ने के बीच परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) 2021-22 में 176 नई कोष पेशकश (एनएफओ) लेकर आई हैं, जिनके जरिये कुल 1.08 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। नकदी की सख्त स्थिति, ब्याज दरों में बढ़ोतरी, शेयर बाजार में मजबूती, दफ्तर से काम फिर शुरू होने के बाद आगे चलकर एनएफओ में रुचि घट सकती है। वहीं निश्चित परिपक्वता वाली योजनाओं (एफएमपी) में उल्लेखनीय रूप से नई पेशकशें देखने को मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग सभी एएमसी ने विभिन्न श्रेणियों में नई योजनाएं पेश की हैं और पहले मौजूद उत्पादों के अंतराल को पाटने का काम किया है। उन्होंने बताया कि निवेश के उद्देश्यों में अंतर, विशिष्ट योजनाओं में निवेशकों की रुचि, धन की उपलब्धता, कोष प्रबंधकों की विश्वसनीयता और शेयर बाजारों के प्रदर्शन के आधार पर नई पेशकशों की संख्या तय होगी। ओ धिको रिक आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में 176 नई कोष पेशकशें आईं। इन एनएफओ के जरिये 1,07,896 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कहीं ऊंचा आंकड़ा है। 2020-21 में 84 एनएफओ आए थे और इनके जरिये कुल 42,038 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

विराट ने रोहित की टीम को धन्यवाद दिया

मुंबई । मुंबई इंडियन्स की दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के साथ ही आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचने से उत्साहित रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने मुम्बई टीम के प्रति आभार जताया है। विराट ने कहा , ''धन्यवाद मुंबई, हम इसे याद रखेंगे।'' मुंबई की जीत के साथ ही दिल्ली आईपीएल से बाहर हो गयी और आरसीबी को अंतिम चार में जगह मिली। कोहली ने कहा, ''यह अविश्वसनीय था। धन्यवाद, मुंबई, हम इसे याद रखेंगे।'' इससे पहले आरसीबी ने अपने अंतिम लीग मैच में गुजरात टाइटन्स को हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदें बनाये रखीं थीं पर उसे प्लेऑफ में पहुंचने दिल्ली की हार की जरुरत थी। वहीं आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि पूरी टीम ने एक साथ मैच देखा और मुंबई की टीम के प्रत्येक अच्छे प्रदर्शन पर तालियां बजाई। डुप्लेसी ने कहा, ''यह बहुत अच्छा था। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि खेल की शुरुआत से ही हर कोई यहां था, इसलिए हमने इसे एक साथ देखा।'' उन्होंने कहा, ''हम सभी मुंबई को मिले हर विकेट विकेट का और बाद में जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे थे तो उनके हर शॉट का जश्न मना रहे थे। सभी के लिये यह अच्छा था कि हम साथ में मैच देख रहे थे। वहीं मैच समाप्त होने पर जश्न का हिस्सा बनना शानदार था।''

प्रधानमंत्री ने थॉमस कप विजेता टीम को बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार थॉमस और उबर कप जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। अपनी इस मुलाकात में प्रधानमंत्री ने टीम को बधाई देते हुए उनकी इस उपलब्धि को सराहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपकी इस जीत से लोगों का सपना पूरा हुआ है। इस दौरान खिलाड़ियों ने भी प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। पीएम कहा कि किसी भी टूर्नामेंट में कोई भी निर्णायक मैच सांस रोकने वाला होता है। इसपर खिलाड़ियों ने कहा कि मैच चाहे पहला हो या अंतिम हमने हमेशा देश की जीत दिखी। मोदी ने कहा, 'एक समय था जब हमारी टीम थॉमस खिताब जीतने की सूची में काफी पीछे हुआ करती थी। भारतीयों ने कभी इस खिताब का नाम भी नहीं सुना होगा पर आज आपने इसे देश में लोकप्रिय कर दिया है। इस भारतीय टीम ने यह दिखाया है कि अगर मेहनत की जाए, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। विश्व स्पर्धा का दबाव होना ठीक है पर आपने उस दबाव से निकलकर इतिहास रचा है।' प्रधानमंत्र ने टीम के कप्तान किदांबी श्रीकांत,सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय से भी बात कर उनका उत्साह बढ़ाया और उनको उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। श्रीकांत ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों को यह कहते हुए हमेशा गर्व होगा कि हमें अपने प्रधानमंत्री का समर्थन भी प्राप्त है। वहीं मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि प्रधानमत्री भी खिलाड़ियों और खेल का अनुसरण करते हैं, और उनके विचार खिलाड़ियों से जुड़ते हैं। वहीं भारतीय युगल टीम के कोच डेनमार्क के माथियास बो ने कहा, 'मैं एक खिलाड़ी रहा हूं और मैंने देश के लिए पदक जीते हैं पर हमारे प्रधानमंत्री ने मुझे कभी मिलने के लिए नहीं बुलाया।' मोदी ने कहा कि आज लक्ष्य सेन ने अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा था कि मिठाई खिलाऊंगा। आज वह मेरे लिए मिठाई लेकर आए हैं। वहीं लक्ष्य ने कहा कि पीएम ने अल्मोड़ा की बाल मिठाई मांगी थी। मैं उनके लिए मिठाई लेकर गया था। यह दिल को छू लेने वाला है कि उन्हें खिलाड़ियों की छोटी-छोटी बातें याद रहती हैं। भारतीय टीम ने थॉमस कप के फाइनल मुकाबले में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर पहली बार यह खिताब जीता था। भारतीय टीम पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। भारत को थॉमस कप जिताने में कप्तान किदांबी श्रीकांत, चिराग-सात्विक के साथ ही युवा शटलर लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय की अहम भूमिका रही। प्रधानमंत्री ने श्रीकांत से उनके अनुभव भी पूछे और खिलाड़ियों को प्रेरत करने और खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने के लिए उनकी तारीफ भी की।

वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक ट्वीट में कहा, 'हमारे बैडमिंटन चैंपियनों के साथ बातचीत हुई, जिन्होंने थॉमस कप और उबर कप के अपने अनुभव साझा किए हैं। खिलाड़ियों ने अपने खेल के विभिन्न पहलुओं, बैडमिंटन से परे जीवन और बहुत कुछ के बारे में बात की। देश को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है।'

ड्रेनेज सिस्टम ठीक करने धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में हो रही खुदाई

धर्मशाला ।

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित दुनिया के खूबसूरत क्रिकेट स्टेडियम की फिर से खुदाई शुरू हो चुकी है। दरअसल धर्मशाला को देशभर में सबसे ज्यादा बारिश का केंद्र माना जाता है, वहीं इत्तेफाक से यहां दुनिया की सबसे ज्यादा हाईस्पीड पिचों वाला और धौलाधार की बर्फीली वादियों की गोद में बना खूबसूरत क्रिकेट स्टेडियम भी है, जहां देश की हर टीम आकर खेलना चाहती है। बावजूद इसके ज्यादातर बार देखा गया है कि बारिश की वजह से मैच धुल जाते हैं, हालांकि बारिश थमने के बाद ग्राउंड को सुखाने वाला सिस्टम भी यहां मौजूद था मगर वहां पुरानी तकनीक के द्वारा ऑपरेट होता रहा है, उससे ग्राउंड को सुखाने में डेढ़ से करीब दो घंटे का समय लग जाता है। अब हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन ने स्टेडियम के अंदर ही ड्रेनेज सिस्टम को फिट करने का बड़ा फैसला लिया है, जिसके तहत अब स्टेडियम की खुदाई शुरू हो चुकी है। स्टेडियम के प्रबंधन की मानें तब इस ड्रेनेज सिस्टम के इंस्टॉल हो जाने पर बारिश के बाद महज 15 से 20 मिनट में ही स्टेडियम को सुखाया जा सकेगा, जिसके लिए स्टेडियम की रिले शुरू हो चुकी है। एचपीसीए के प्रबंधक कर्नल मन्हास ने बताया कि हालांकि बरसात में उन्हें काम रोकना पड़ सकता है फिर भी ये कार्य नवंबर माह के अंत तक पूरी तरह से मुकम्मल होगा। दोबारा से इस पर मैच खेले जा सकते हैं। काबिलेगौर है कि इस स्टेडियम में अभी 10 पिचें हैं और तमाम पिचें हाई स्पीड वाली हैं, जो कि भारत में भी बेहद कम हैं। फिलहाल पिचों को बिल्कुल सुरक्षित रखकर ही मैदान की खुदाई चल रही है।

एक राउंड पहले ही विश्वनाथन आनंद नें जीता सुपरबेट रैपिड शतरंज

वारशा ,पोलैंड (निकलेश जैन) पहले दिन से लगातार अच्छे खेल से शुरुआत करने वाले भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद नें आखिरकार ग्रांड चैस टूर के दूसरे पड़ाव सुपरबेट रैपिड शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है । अंतिम दिन आनंद नें सबसे पहले रोमानिया के डेविड गवीरलेसकू को काले मोहरो से स्कॉच ओपनिंग मे मात दी तो उसके बाद सफ़ेद मोहरो से यूएसए के फबियानों करूआना को पेट्रोफ डिफेंस में आसानी से ड्रॉ पर रोकते हुए कुल 14 अंक बनाकर बाकी खिलाड़ियों से 3 अंक का अंतर बनाते हुए अपना खिताब जीतना एक राउंड पहले ही सुनिश्चित कर लिया । अंतिम राउंड में जरूर आनंद को अपने निकटतम प्रतिद्वंदी हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से काले मोहरो से पेट्रोफ ओपेनिंग में एक रोमांचक मुक़ाबले में हार का सामना करना पड़ा । कुल 9 राउंड के बाद आनंद 14 अंक लेकर पहले , 13 अंक बनाकर रिचर्ड दूसरे तो पोलैंड के यान डूड़ा 12 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे । अब इसके बाद अगले दो दिन ब्लिट्ज़ के कुल 18 मुक़ाबले खेले जाएँगे और उसके बाद ओवरऑल विजेता तय किया जाएगा । रैपिड में जहां जीतने पर अंक मिल रहे थे तो अब ब्लिट्ज़ में 1 अंक मिलेगा ।

आईपीएल के क्वालिफायर मुकाबलों पर बारिश का साया मंडराया

मुम्बई ।

आईपीएल के 15 वें सत्र का पहला क्वालिफायर मुकाबला मंगलवार को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। इसमें अंक तालिका की नंबर एक टीम गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच पर हालांकि बारिश का साया मंडराने से आयोजक परेशान हैं। क्योंकि शनिवाल को बारिश और तूफान के कारण स्टेडियम के मीडिय बॉक्स को काफी नुकसान हुआ था। वहीं मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी मौसम ऐसा ही रह सकता है। अगर ऐसा हुआ तो कौन सी टीम फाइनल में पहुंचेगी यह सवाला उठने लगा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बारिश और तूफान के कारण ईडन गार्डन में हुए नुकसान को देखने बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली भी स्टेडियम पहुंचे थे। उसके बाद गांगुली ने कहा कि मैच से पहले स्टेडियम को पूरी तरह से ठीक कर दिया जाएगा। पहले क्वालिफायर के दिन भी शाम के वक्त हल्की बारिश की आशंका है जिससे एक प्रकार डर बना हुआ है। आईपीएल के इस सत्र में अब तक लीग मैच मुंबई और पुणे में खेले गये हैं जबकि क्वालिफायर और फाइनल कोलकाता और अहमदाबाद में होने हैं। टाइटंस और रॉयल्स के बीच होने वाले पहले के लिए आईपीएल के कोई रिजर्व दिन नहीं है। ऐसे में अगर खराब मौसम के कारण मैच नहीं हुआ तो गुजरात सबसे ज्यादा अंक होने के कारण सीधे फाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं दूसरे नंबर की टीम रॉयल्स दूसरे क्वालिफायर में खेलेगी। इसमें उसका सामना एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। एलिमिनेटर मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कोलकाता में खेला जाएगा। वहीं अगर यह भी बारिश के कारण नहीं पाया तो लखनऊ दूसरे क्वालिफायर में पहुंचेगी।

संक्षिप्त समाचार

सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में ओझा की बराबरी पर आये कुलदीप

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए अंतिम लीग मैच में एक विकेट लेने के साथ ही एक एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। कुलदीप इसी के साथ ही आईपीएल इतिहास में बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के प्रज्ञान ओझा के रिकॉर्ड की बराबरी पर आ गये। कुलदीप ने इस सत्र में अब तक 21 विकेट लिए हैं। इससे पहले ओझा ने साल 2010 सत्र में 21 विकेट लिए थे। इस सूची में रविंद्र जडेजा का भी नाम है जडेजा ने साल 2014 सत्र में 19 विकेट लिए थे। कुलदीप इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। सबसे अधिक विकेट राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम हैं जिन्होंने 26 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के वानिंद हसरंगा हैं जिन्होंने 15 की औसत से 14 मैचों में 24 विकेट ली हैं। कुलदीप और सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज उमरान मलिक 21-21 विकेट के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

रणनीति और उस पर अमल बेहतर हो सकता था : पंत

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने अंतिम लीग मुकाबले में मुंबई इंडियंस के हाथों हार पर निराशा जाहिर करते हुए कहा कि अपनी रणनीति पर बेहतर तरीके से अमल नहीं कर पाने के कारण टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। ऋषभ ने कहा ,'' मैच में अधिकतर समय हम अच्छी स्थिति में थे पर इसके बाद भी हमने अपनी पकड़ी कमजोर कर दी। पूरे टूर्नामेंट में टीम के साथ यही हुआ। सा ही कहा कि अब हम अपनी गलतियों से सबक लेकर अपने सत्र में अच्छी वापसी का प्रयास करेंगे।'' वहीं मुंबई के बल्लेबाज टिम डेविड के विकेट के पीछे कैच होने के मामले में डीआरएस नहीं लेने को लेकर कहा कि मुझे लगा कि गेंद बल्ले से लगी है पर टीम के अन्य खिलाड़ी इस बात से सहमत नहीं थे , इसलिए हमने रिव्यू नहीं लिया था।'' दिल्ली की हार से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) को लाभ हुआ और वह प्लेऑफ में पहुंच गयी है।

आईपीएल : बुमराह ने की मलिंगा के रिकार्ड की बराबरी

मुंबई । मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेले मैच में अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने इस मैच में तीन विकेट लिए। इसी के साथ ही वह आईपीएल में 19 बार तीन विकेट लेने वाले दूसरे खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले मुंबई इंडियंस के ही पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने आईपीएल में 19 बार 3 विकेट लिए थे। बुमराह और मलिंगा के अलावा आईपीएल में जिन गेंदबाजों में सबसे ज्यादा बार 3 विकेट लिए हैं उनमें अमित मिश्रा ने 17 बार और ड्वेन ब्रावो ने 16 बार यह यह रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा उमेश यादव ने भी आईपीएल में 16 बार 3 विकेट लिए थे। आईपीएल के इस सत्र में हालांकि बुमराह सफल नहीं रहे और अधिक विकेट नहीं ले पाये। उन्होंने 15वें सत्र में मुंबई की ओर से 14 मैच खेले थे। इस दौरान बुमराह ने 383 रन देकर 15 विकेट लिए थे।

प्लेऑफ में पहुंचने की खुशी में डांस करते दिखे कोहली सहित आरसीबी के सभी खिलाड़ी

मुम्बई ।

आईपीएल के 15 वें सत्र में मुम्बई इंडियंस की दिल्ली कैपिटल्स पर 5 विकेट से जीत के साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम प्लेऑफ में पहुंच गयी। इससे टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली , कप्तान फाफ डुप्लेसी और अन्य खिलाड़ी खुशी में नाचने गाने लगे। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम बदकिस्मत रही और मुम्बई से हार के कारण अंतिम चार से बाहर होगी। दिल्ली को बेहतर रन औसत के कारण इस मैच में केवल जीत की जरुरत थी।दिल्ली कैपिटल्स की टीम यदि यह मैच जीत जाती, तो वह प्लेऑफ में पहुंच जाती, क्योंकि उसका नेट रनरेट आरसीबी से अच्छा था। इसलिए आरसीबी की टीम इस मैच में दिल्ली की हार की दुआ कर रही थी। आरसीबी ने टीम का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि पूरी टीम शाम 7.30 बजे से टीवी खोलकर मैच देख रही थी। मैच 11.30 बजे खत्म हुआ. तब तक वे टीवी के सामने ही डटे रहे और जीत के बाद जश्न भी बनाया। इसमें विराट ना केवल डांस करते नजर आये बल्कि अन्य खिलाड़ियों से गले मिलते भी नजर आये। कोहली ने कोच संजय बांगड़ को भी गले लगाया। इसके बाद कोहली ने कहा कि थैंक्यू मुंबई। यह समय विश्वनीय है।

रोहित को मिल सकता है ब्रेक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए तरोताजा होने के लिए ब्रेक मिल सकता है। आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित की टीम प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। इस पूरे सत्र में रोहित लय में नहीं दिखे ओर अर्धशतक तक नहीं लगा पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं भारतीय टीम को अगले माह 9 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार, रोहित ने बीसीसीआई से आईपीएल के बाद ब्रेक मांगा है। बीसीसीआई के एक अधिकार ने भी माना है कि रोहित ने ब्रेक मांगा है। इस अधिकारी के अनुसार रोहित ने मुंबई की ओर से सभी लीग मुकाबले खेले हैं ऐसे में उनका थके होना लाजिमी है। इसी लिए वह इंग्लैंड दौरे से पहले तरोताजा होना चाहते हैं। बीसीसीआई शीघ्र ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम का चयन करने वाली है। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के मुकाबले 9 से 19 जून तक खेले जाने हैं। इस सीरीज के लिए शिखर धवन को कप्तान बनाया जा सकता है और सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवा खिलाड़ियों को उतारा जा सकता है। सीनियर टीम 15 जून के आस-पास इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम को 1 जुलाई से वहां एक टेस्ट खेलना है। यह मैच पिछले साल कोरोना संक्रमण के कारण नहीं खेला जा सका था। तब सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही थी। भारतीय टीम को अपने इस दौरे में इंग्लैंड में 3 टी20 और 3 एकदिवसीय मैच भी खेलने हैं। इसके अलावा वह 26 और 28 जून को आयरलैंड से 2 टी20 मैच भी खेलेगी।

आरसीबी ने पिछले सत्र में टिम को केवल एक सत्र में दिया था अवसर

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को प्लेऑफ में पहुंचाने वाले टिम डेविड की आज भले ही आरसीबी जमकर प्रशंसा कर रही है पर उसे यह नहीं भूलना चाहिये कि जब डेविड पिछले सत्र में उसके साथ थे तब इस खिलाड़ी को एक मैच में ही खेलने का अवसर मिला था। इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के टिम ने 11 गेंद पर 34 रन बनाकर उसे दिल्ली कैपिटल्स पर जीत दिलाई थी। इसी कारण आरसीबी को अंतिम चार में प्रवेश मिला है। सिंगापुर के टिम डेविड को साल 2021 के दूसरे चरण में आरसीबी ने टीम में शामिल किया था। तब उन्हें केवल चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ खेलने का अवसर मिला था। टिम के रिकॉर्ड को देखते ही मुंबई ने उन्हें 8.25 करोड़ रुपए की बड़ी राशि में खरीदा था। इस खिलाड़ी ने आईपीएल के अलावा ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में भी खेला है। इस खिलाड़ी ने अबतक 97 मैच की 91 पारियों में 34 की औसत से 2151 रन बनाए हैं। जिसमें 9 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 163 का है। मुंबई इंडियंस की ओर से हालांकि वह इस सत्र में केवल 8 ही मैच खेल पाये हैं जिसमें इस खिलाड़ी ने 37 की औसत से 186 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 46 रन की सबसे बड़ी पारी खेली।

शिखर धवन ने कहा, टी20 प्रारूप में अभी तीन साल और खेल सकता हूं

मुंबई ।

क्रिकेटर शिखर धवन भारत की एकदिवसीय टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं, लेकिन उनका मानना है कि उनके पास टी20 प्रारूप में अभी भी बहुत कुछ है, जहां उन्हें अगले तीन वर्षों तक अपने खेल को जारी रखने की उम्मीद है। आईपीएल 2022 में एक गेम शेष रहने के साथ 36 वर्षीय ने पंजाब किंग्स के लिए 421 रन बनाए हैं। धवन ने कहा कि हालांकि मैं टीम का अभिन्न अंग बना हुआ हूं, फिर भी मुझे लगता है कि मैं अपने अनुभव के कारण सबसे छोटे प्रारूप में योगदान दे सकता हूं। मैं टी*20 फॉर्मेट में काफी अच्छा कर रहा हूं। मुझे जो भी भूमिका दी गई है मैंने उसे बखूबी निभाया है। मैं जिस प्रारूप में खेल रहा हूं उसमें निरंतरता बनाए रखने में कामयाब रहा हूं, चाहे वह आईपीएल हो या घरेलू स्तर पर और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। निरंतरता न केवल अर्धशतक या शतक बनाने के बारे में है, बल्कि स्कोर के बीच भी अंतर बनाए रखने के बारे में है।

राहुल द्रविड़ को टीम के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी दिए जाने से पहले उन्हें शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम में शामिल किया गया था, जो श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे में खेली थी। भारत ने टी20 श्रृंखला 2-1 से जीती जबकि वनडे श्रृंखला हार गए थे। लेकिन उन्होंने कहा कि वह भविष्य को लेकर सकारात्मक हैं और चयनकर्ताओं के निर्णय का इंतजार करूंगा। भारतीय ओपनर ने कहा, मैं बहुत सकारात्मक व्यक्ति हूं। पिछले साल टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। टी20 विश्व कप के लिए उन्हें लगा कि (चुने गए) खिलाड़ी मुझसे बेहतर और निष्पक्ष हैं। चयनकर्ता जो भी निर्णय लेते हैं, मैं उसका सम्मान करता हूं। जीवन में ऐसा होता है। आप इसे स्वीकार करें और अपना काम करते रहें।

टूरिन में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में ओलंपिक्यू की खिलाड़ी जीत के बाद ट्रॉफी के साथ खुशी मनाती हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

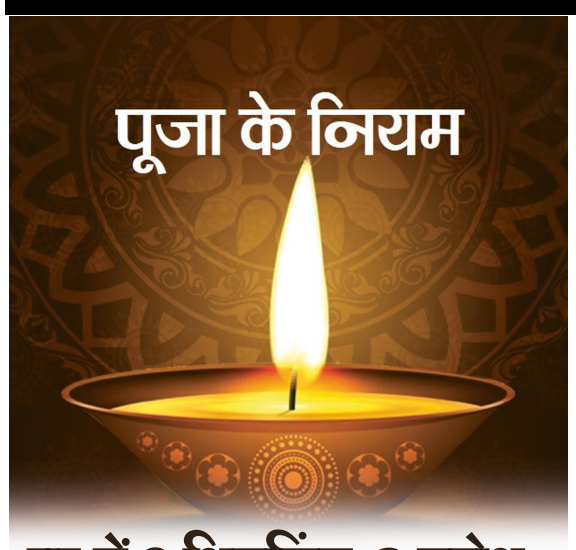

घर में 2 शिवलिंग, 3 गणेश, 2 शंख, और 3 दुर्गा मूर्ति भूलकर भी न रखें

हम सभी के घर में भगवान का मंदिर होता है लेकिन अज्ञानतावश हम कुछ गलतियां कर जाते हैं। प्रस्तुत है कुछ आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां.

एक घर में कम से कम पांच देवी देवताओं की पूजा होनी ही चाहिए-गणेश, शिव, विष्णु, सूर्य, दुर्गा। किसी भी देव या देवी के पूजन के प्रति संकल्प, एकाग्रता, श्रद्धा होना बहुत ही आवश्यक है।

गृहे लिंगद्वयं नाच्यं गणेशत्रितयं तथा।
शंखद्वयं तथा सूर्यो नार्च्यो शक्तित्रयं तथा।
द्वे चक्रे द्वारकायास्तु शालग्राम शिलाद्वयम।
तेषां तु पुजनेनैव उद्वेगं प्राप्नुयाद् गृही।

अर्थ- घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य, तीन दुर्गा मूर्ति, दो गोमती चक्र और दो शालिग्राम की पूजा करने से गृहस्थ मनुष्य को अशांति होती है।

- शालिग्राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती।
- दुर्गा की एक,सूर्य की सात,गणेश की तीन,विष्णु की चार और शिव की आधी ही परिक्रमा करनी चाहिए।
- तुलसी के बिना ईश्वर की पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। तुलसी की मंजरी सब फूलों से बढ़कर मानी जाती है।
- अमावस्या,पूर्णिमा,द्वादशी और रात्रि और संध्या काल में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए।
- प्रतिदिन पंचदेव पूजा अवश्य करनी चाहिए।
- यदि कोई मंत्र कंठस्थ न आता हो तो बिना मंत्र के ही जल, चंदन ,फूल आदि चढ़ाकर पूजा करनी चाहिए। फूल चढ़ाते समय ध्यान रखें कि उसका मुख ऊपर की ओर हो।
- सदैव दाएं हाथ की अनामिका एवं अंगूठे की सहायता से फूल अर्पित करने चाहिए। चढ़े हुए फूल को अंगूठे और तर्जनी की सहायता से उतारना चाहिए।
- फूल की कलियों को चढ़ाना मना है,किंतु यह नियम कमल के फूल पर लागू नहीं है।

जानिए गंगा का जल क्यों नहीं होता कभी खराब

भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है। प्रमुख वार-त्योहारों पर श्रद्धालु इन्ही नदियों के घाट किनारे स्नान करने जाते है और पात्रों में भरकर इन नदियों के जल को अपने घरों में भी लाते हैं। इस जल का उपयोग घर की शुद्धि करने, चरणामृत में मिलाने, पूजा या अनुष्ठान करने जैसे कई धार्मिक कार्यों में किया जाता है। लगभग हर हिन्दू परिवार में आपको एक कलश मिल ही जाएगा जिसमे गंगाजल होता है। भारत में लोग गंगा जल को सबसे ज्यादा पवित्र मानते हैं और बताते हैं कि इसका पानी कभी खराब नहीं होता। अब सवाल ये है कि इतने अवांछित पदार्थों के मिल जाने के बाद भी गंगा जल आखिर खराब क्यों नहीं होता? हिन्दू वेद-पुराणों और धार्मिक ग्रंथों की माने तो उनमें गंगा की महिमा का वर्णन कई कथाओं के माध्यम से मिल जाएगा। इस विषय में एक घटना ये भी प्रचलित है कि एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने वर्ष 1890 में गंगा के पानी पर रिसर्च भी की थी। दरअसल, उस दशक में भारत के कई हिस्सों में हैजा का भयंकर प्रकोप था, जिसने कई लोगों की जान ली थी। उस समय लोग लाशों को गंगा नदी में फेंक जाते थे। गंगा के उसी पानी में नहाकर या उसे पीकर अन्य लोग बीमार ना पड़ जाए, इसी बात की चिंता उस वैज्ञानिक को थी। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और गहन शोध के बाद उसने यह पाया की गंगा नदी के पानी में विचित्र वायरस है जो इसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इस वजह से गंगा के पानी को घरों में कई दिनों तक रखा जाने के बाद भी उसमें से दुर्गंध नहीं आती।

'पवित्रता के पर्याय' गंगाजल का नाम आते ही ये सवाल हमारे मन में जरूर आता है। लेकिन इसका जवाब भी वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है। दरअसल, हिमालय में स्थित गंगोत्री से निकली गंगा का जल इसलिए कभी खराब नहीं होता, क्योंकि इसमें गंधक, सल्फर इत्यादि खनिज पदार्थों की सर्वाधिक मात्रा पाई जाती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा का जल हिमालय पर्वत पर उगी कई उपयोगी जड़ी-बूटियों को स्पर्श करते हुए आता है। एक अन्य रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि गंगा जल में' बैक्ट्रिया फोस' नामक एक विशेष बैक्टीरिया पाया जाता है, जो इसमें पनपने वाले अवांछित पदार्थों को खाता रहता है, जिससे इसकी शुद्धता बनी रहती है।

गंगा हिमालय से शुरू होने के बाद कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों तक पहुंचती है जहां खेतीबाड़ी का कचरा-कूड़ा और औद्योगिक रसायनों की भारी मात्रा इसके पानी में मिल जाती है , इसके बाद भी गंगा का पानी पवित्र बना रहता है। इसका एक और वैज्ञानिक कारण है कि इसे शुद्ध करने वाला तत्त्व गंगा की तलहटी में ही मौजूद है। कई वर्षों से गंगा के पानी पर शोध करने वाले आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने ये निष्कर्ष निकाला है कि गंगा के पानी में वातावरण से आक्सीजन सोखने की अद्भुत क्षमता है, जो दूसरी नदियों के मुकाबले कम समय में पानी में मौजूद गंदगी को साफ करने में मदद करती है।

ज्येष्ठ मास की बड़ी बातें, क्या और क्यों है महत्व इस माह का

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन माह अंतिम माह होता है इसके बाद चैत्र माह वैशाख और फिर ज्येष्ठ। इस बार ज्येष्ठ का प्रारंभ अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 17 मई 2022 से ज्येष्ठ माह प्रारंभ हो गया है। आओ जानते हैं इस माह की बड़ी बातें।

महत्व : ज्येष्ठ मास में सूर्य की तपन अपने चरम पर रहती है। इसीलिए सूर्य की ज्येष्ठता के कारण इस महीने को ज्येष्ठ कहा जाता है। इन दिनों सर्वाधिक बड़े दिन होते हैं। इस माह में नौतपा भी लगता है। शास्त्रों में इसी माह में जल के संरक्षण का महत्व बताया गया है। ज्येष्ठ मास में जल के दान को बहुत बड़ा पुण्य माना गया है। ज्येष्ठ के महीने में भगवान श्रीराम से हनुमान की मुलाकात हुई थी, जिसके चलते ये इस माह के मंगलवार पर हनुमान पूजा का खासा महत्व रहता है।

निम्नलिखित चौपाई से यह पता चलता है कि किस माह में क्या कार्य नहीं करना चाहिए।

चौते गुड़, वैशाखे तेल,
जेठ के पंथ, अषाढ़े बेल।
सावन साग, भादो मही,
कुवांर करेला, कार्तिक दही।
अगहन जीरा, पूसै धना,
माघै मिश्री, फाल्गुन चना।
जो कोई इतने परिहरै,
ता घर बैद पैर नहिं धरै।।
चैत चना, बैसाखे बेल, जैठे शयन,
आषाढ़े खेल, सावन हर्रे, भादो तिल।
कुवार मास गुड़ सेवै नित, कार्तिक मूल,
अगहन तेल, पूस करे दूध से मेल।
माघ मास घी-खिचड़ी खाय,
फागुन उठ नित प्रात नहाय।।

ज्येष्ठ माह में क्या करना और क्या नहीं चाहिए

- ज्येष्ठ माह में दोपहर में चलना खेलना मना है। इन महीनों में गर्मी का प्रकोप रहता है अतः ज्यादा घूमना-फिरना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अधिक से अधिक शयन करना चाहिए।
- इस माह बेल खाना चाहिए या बेल का रस पीना चाहिए। इस माह में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए।
- इस माह में लहसुन, राई, गर्मी करने वाली सब्जियां और फल नहीं खाना चाहिए।
- इस माह में जल की पूजा की जाती है। इस माह में जल को लेकर दो त्योहार मनाए जाते हैं, पहला गंगा दशहरा और दूसरा निर्जला एकादशी।
- घाघ ने कहा कि जो व्यक्ति ज्येष्ठ माह में दिन में सोता है वह रोगी होती है।
- इस माह में बैंगन खाने से दोष लगता है और रोग उत्पन्न होता है। यह संतान के लिए शुभ नहीं होता है।
- ज्येष्ठ के माह में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है।
- ज्येष्ठ माह में एक समय भोजन करना वाला निरोगी रहता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है- 'ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते।
- इस माह तिल का दान करने से अकाल मृत्यु से जातक बचा रहता है।
- ज्येष्ठ माह में हनुमानजी की प्रभु श्रीराम से मुलाकात हुई थी। इसीलिए इस माह में हनुमानजी की पूजा करने से लाभ मिलता है।

श्री कृष्ण का वृंदावन धाम 8 रहस्य या चमत्कार

ब्रजमंडल में मथुरा, गोकुल, नंदगांव, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन आदि क्षेत्र आते हैं। मथुरा जहां श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। वहीं गोकुल उनकी बाललीला की भूमि है। श्रीकृष्ण जब थोड़े बड़े हुए तो वृंदावन उनका प्रमुख लीला स्थली बन गया। उन्होंने यहां रास रचा और दुनिया को प्रेम का पाठ पढ़ाया। बरसाना श्रीराधा की जन्मभूमि है और उनका परिवार भी वृंदावन में आकर रहने लगा था। आओ जानते हैं वृंदावन धाम के 8 चमत्कार या रहस्य को।

रंग महल : वृंदावन में रंग महल है। प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रातः दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं। हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।

अपने आप बंद होता और खुलता मंदिर : वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है।

वृंदावन और तुलसी का रहस्य : वृंदा तुलसी को कहा जाता है। यहां तुलसी के पौधे अधिक हैं, इसलिए इसे वृंदावन नाम दिया गया। यानी वृंदा (तुलसी) का वन। कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।

अजीब हैं पेड़ : मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ और निधिवन में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है। जहां आमतौर पर पेड़ ऊपर की तरफ बढ़ते हैं वहीं निधिवन में मौजूद पेड़ों की ऊंचाई बेहद कम हैं और इनकी शाखाएं इसकी जड़ों की ओर बढ़ती है। यहाँ पेड़ भी आपस में गुथे हुए हैं जो इस जगह को देखने में भी रहस्यमयी बनाती है।

मंदिर में करते हैं शयन : मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं। लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

घरों की खिड़कियां कर देते हैं बंद : यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

निधिवन : कहते हैं कि आज भी समय-समय पर प्रभु वृंदावन के निधिवन और मथुवन में रास भी करते हैं। वहां के मंदिरों में भ्रमण भी करते हैं। कहते हैं कि श्रीकृष्ण वृंदावन के निधिवन में रासलीला करने आते हैं और उनके साथ श्रीराधा सहित उनकी अष्ट सखियां भी आती हैं। लोगों का मानना है कि यहाँ हर रात आरती के बाद श्री कृष्ण, राधा और उनकी गोपियाँ रास रचाते हैं। आस-पास रहने वाले कई लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार घुंघरूओं की आवाज सुनाई देती है, लेकिन कोई इस रास-लीला को अपनी आँखों से देखने की हिम्मत नहीं रखता, और देख ले तो फिर दुनिया में कुछ और देखने-समझने के लायक नहीं रहता। यानी अंधा हो जाता है। इसलिए अब निधिवन के दरवाजे शाम 7 बजे बंद कर दिया जाते हैं।

हरिदास भक्त : वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर से कई कथाएं जुड़ी हुई है। कहते हैं कि श्री हरिदासजी बांके बिहारी के सबसे बड़े भक्त थे जिनकी भक्ति और चमत्कारों की कई कथाएं प्रचलित हैं। भगवान की भक्त में डूबकर हरिदास जी जब भी गाने बैठते तो प्रभु में ही लीन हो जाते। इनकी भक्ति और गायन से रिझकर भगवान श्री कृष्ण इनके सामने आ जाते।

चतुर्थी का व्रत करने के 2 सबसे बड़े लाभ

प्रत्येक माह में दो चतुर्थी होती है। इस तरह 24 चतुर्थी और प्रत्येक तीन वर्ष बाद अधिमास की मिलाकर 26 चतुर्थी होती है। सभी चतुर्थी की महिमा और महत्व अलग-अलग है। आओ जानते हैं चतुर्थी का व्रत करने के 5 लाभ।

विनायक चतुर्थी

चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। भाद्र माह की चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था, जिसे विनायक चतुर्थी कहते हैं। कई स्थानों पर विनायक चतुर्थी को 'वरद विनायक चतुर्थी' और 'गणेश चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की आराधना सुख-सौभाग्य की दृष्टि से श्रेष्ठ है।

संकष्टी चतुर्थी

माघ मास के कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी, माघी चतुर्थी या तिल चौथ कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। चतुर्थी के व्रतों के पालन से संकट से मुक्ति मिलती है और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

चतुर्थी का रहस्य

यह खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अतः इसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है। चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

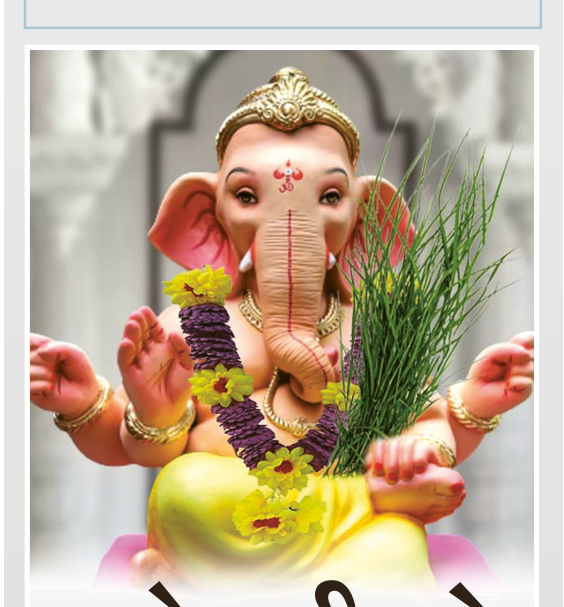

गणेश जी को दूर्वा चढ़ाने के खास नियम हैं

बुधवार और चतुर्थी तिथि गणेशजी के दिन है। इस दिन इनकी विशेष पूजा करना चाहिए। पूजा करने के दौरान गणेशजी को विशेष वस्तुएं अर्पित की जाती है जो कि उनके पसंद की होती है। इन वस्तुओं को अर्पित करने से गणपतिजी प्रसन्न हो जाते हैं। इन्हीं वस्तुओं से एक है दूर्वा। आओ जानते हैं दूर्वाचढ़ाने के खास नियम और मंत्र।

दूर्वा चढ़ाने के खास नियम

- प्रातःकाल उठकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- फिर ऊं गं गणपतयै नमः मंत्र बोलते हुए जितनी पूजा सामग्री उपलब्ध हो उनसे भगवान श्रीगणेश की पूजा करें।
- गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर लगाएं। फिर उन्हें 21 गुड़ की ढेली के साथ 21 दूर्वा चढ़ाएं। मतलब 21 बार 21 दूर्वा की गाठें अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा गणेशजी को मोदक और मोदीचूर के 21 लड्डू भी अर्पित करें। इसके बाद आरती करें और फिर प्रसाद बांट दें।
- दूर्वा अर्पित करने का मंत्र : 'श्री गणेशाय नमः दूर्वाकुरान समर्पयामि।' : इस मंत्र के साथ श्रीगणेशजी को दूर्वा चढ़ाने से जीवन की सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं और श्रीगणेशजी प्रसन्न होकर सुख एवं समृद्धि प्रदान करते हैं।
- क्या होगा दूर्वा अर्पित करने से : इस दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाकर विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से परिवार में समृद्धि बढ़ती है और मनोकामना भी पूरी होती है। इस व्रत का जिक्र स्कंद, शिव और गणेश पुराण में किया गया है।

सार समाचार

इजराइल में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया

तेल अवीव । इजराइली प्राधिकारियों ने कहा है कि विदेश से लौटे एक व्यक्ति के मंकीपॉक्स से संक्रमित होने की बात सामने आई है और वे अन्य संदिग्ध मरीजों की तलाश में जुट गए हैं। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि तेल अवीव के अस्पताल में भर्ती मरीज की हालत ठीक है। मंत्रालय ने विदेश से लौटने वाले लोगों से बुखार होने और दाने निकलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्रालय में जन स्वास्थ्य सेवाओं की प्रमुख शैरोन एलरो-प्रीस ने रविवार को इजराइली आर्मी रेडियो को बताया कि चिकित्सा दल मंकीपॉक्स के अन्य संदिग्ध मरीजों की पहचान करने की कवायद में जुटे हैं। इजराइल में मंकीपॉक्स का यह मामला पश्चिम एशिया में इस संक्रमण का पहला ज्ञात मामला बताया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दुनियाभर में मंकीपॉक्स संक्रमण के करीब 80 पुष्ट मामलों और तकरीबन 50 संदिग्ध मरीजों की पहचान की है। मंकीपॉक्स संक्रमण के मामले पहले केवल मध्य और पश्चिमी अफ्रीका से संबंध रखने वाले लोगों के बीच देखे गए थे, लेकिन अब ब्रिटेन, स्पेन, पुर्तगाल, इटली, अमेरिका, स्वीडन और कनाडा में भी इसके मरीज सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर मरीज युवा हैं और उनके अफ्रीका की यात्रा का कोई इतिहास नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया में भी मंकीपॉक्स के मामले दर्ज किए गए हैं। मंकीपॉक्स के लिए जिम्मेदार वायरस बंदरों और अन्य जंगली जानवरों में पैदा होता है। इससे संक्रमित ज्यादातर मरीजों में बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगने और थकान के लक्षण देखे गए हैं। गंभीर मामलों में मरीजों के चेहरे, हाथों और शरीर के अन्य हिस्सों पर चकत्ते व दाने भी निकल सकते हैं।

भारत ने श्रीलंका को 40,000 टन डीजल भेजा

कोलंबो। भारत ने बेहद मुश्किल आर्थिक संकट से गुजर रहे पड़ोसी देश श्रीलंका को दी गई ऋण-सुविधा के तहत शनिवार को 40,000 टन डीजल की एक अतिरिक्त खेप भेजी। पिछले महीने भारत ने श्रीलंका को ईंधन का आयात करने के लिए अतिरिक्त 50 करोड़ डॉलर की ऋण-सुविधा देने की घोषणा की थी। इस राशि का इस्तेमाल श्रीलंका को ईंधन आपूर्ति के लिए किया जाना है। श्रीलंका जरूरी वस्तुओं के आयात का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहा है क्योंकि उसका विदेशी मुद्रा भंडार बेहद घट गया है। इसकी वजह से उसकी मुद्रा का मूल्यह्रास हो गया है और मुद्रास्फीति बहुत बढ़ गई है। इसे लेकर देश भर में राजनीतिक अस्थिरता भी फैल गई है। भारतीय उच्चायोग ने ट्विटर पर एक संदेश में कहा, 'श्रीलंका में डीजल की आपूर्ति की गई। भारत की ओर से दी गई ऋण-सुविधा के तहत 40,000 टन डीजल लेकर एक और खेप आज कोलंबो पहुंची।' कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को कहा था कि चावल, दवाएं और दूध के पाउडर जैसी तात्कालिक सहायता सामग्री लेकर एक भारतीय पोत रविवार को कोलंबो पहुंचेगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राहत सामग्री से लदा पोत बुधवार को चेन्नई से रवाना किया था। पहली खेप में नौ हजार मीट्रिक टन चावल, दो सौ मीट्रिक टन दूध का पाउडर और 24 मीट्रिक टन दवाएं शामिल हैं जिनका कुल मूल्य 45 करोड़ रुपये है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने चुनाव में हार स्वीकार की

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने शनिवार को चुनाव के बाद हार मान ली है। देश में अब अल्पमत की सरकार बनने की संभावना है। लाखों मतों की गणना अभी नहीं हुई है। इसके बावजूद मॉरिसन ने त्वरित कदम उठाया है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अमेरिका, जापान और भारत के नेताओं के साथ तोक्यो में शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं। मॉरिसन ने कहा, 'मेरा मानना है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इस देश में निश्चितता हो। मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि यह देश आगे बढ़े।' उन्होंने कहा, 'विशेष रूप से इस सप्ताह के दौरान जो महत्वपूर्ण बैठकें हो रही हैं, मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इस देश की सरकार के बारे में बहुत स्पष्ट समझ हो।' लेबर पार्टी ने 2007 के बाद पहली चुनावी जीत हासिल की है। विपक्षी नेता एंथनी अल्बानीस को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। ऑस्ट्रेलिया में 2001 के बाद से सबसे ज्यादा महंगाई और आवासों की बढ़ती कीमतों के बीच लेबर पार्टी ने और वित्तीय सहायता तथा बेहतर सामाजिक सुरक्षा का वादा किया है। पार्टी ने न्यूनतम वेतन भी बढ़ाने का इरादा जताया है। वहीं विदेश नीति के मोर्चे पर पार्टी ने 'पेसिफिक डिफेंस स्कूल' स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है जिसमें पड़ोसी देशों के सैनिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। लेबर पार्टी ने 2050 तक ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कटौती के साथ जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर भी अपना रुख जाहिर किया है। मॉरिसन की लिबरल पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को चौथी बार तीन साल के कार्यकाल मिलने की उम्मीद थी।

आयातित कोयले के मिश्रण से मई में बिजली उत्पादन दोगुना हुआ

नयी दिल्ली। कोयला आधारित उन घरेलू संयंत्रों से बिजली का उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक होकर 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जिन्होंने आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल किया। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, पिछले वर्ष इसी महीने में इन कोयला-आधारित संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। ऊर्जा मंत्रालय ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए जिनसे घरेलू कोयला आधारित (डीसीबी) संयंत्रों और आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) संयंत्रों में बिजली उत्पादन बढ़ा। गर्मियों के मौसम में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए मंत्रालय ने बिजली उत्पादन संयंत्रों से आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल करने को कहा था। डीसीबी संयंत्रों में बिजली उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जबकि पिछले वर्ष समान महीने में इन संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। वहीं आईसीबी संयंत्रों में यह 14.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 16 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया। आयातित कोयले से कुल बिजली उत्पादन मई 2022 में बढ़कर 30.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जो मई 2021 में 21.1 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। घरेलू कोयले से प्रतिदिन बिजली उत्पादन 246.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 324.4 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया।

चार माह में रूस के कुल रक्षा बजट से भी ज्यादा धनराशि यूक्रेन को दे चुका है अमेरिका

वॉशिंगटन । अमेरिका को रूस के खिलाफ जंग लड़ रहे यूक्रेन की सहायता करना भारी पड़ता नजर आ रहा है। कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था पहले से ही भारी दबाव है। इस बीच यूक्रेन को लगातार दी जा रही मदद ने अमेरिका के बजट के गणित को और ज्यादा बिगाड़ दिया है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बीते दिवस यूक्रेन को 40 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता वाले एक और बिल पर साइन किया है। फरवरी से लेकर अब तक अमेरिका यूक्रेन को 56।44 अरब डॉलर की कुल आर्थिक सहायता दे चुका है। अमेरिका की यूक्रेन को दी गई वित्तीय सहायता रूस के 2022 के कुल रक्षा बजट से भी ज्यादा है। रूस ने इस साल अपना रक्षा बजट 51।3 बिलियन डॉलर रखा है। हालांकि, यूक्रेन में जारी स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आपातकालानी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सैन्य सहायता को कई गुना बढ़ा दिया है। इसमें यूक्रेन में ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी शामिल है। इतना ही नहीं, सैनिकों के दूसरे देश में खान-पान और रसद सप्लाई में रूस को काफी ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

सियोल में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन संबोधित करते हुए , इस दौरान उनके पास हंडाई मोटर्स के चेयरमैन इसुन चयुंग भी थे।

राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत 963 अमेरिकियों को रूस में अब नहीं मिलेगा प्रवेश : मॉस्को

मास्को । यूक्रेन पर हमलावर रूस को अमेरिकी हस्तक्षेप नागवार गुजरा लिहाजा उसने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। रूस ने शनिवार को एक लिस्ट जारी किया जिसमें 963 अमेरिकियों के नाम हैं। इस सूची में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और सीआईए प्रमुख विलियम बर्न्स के भी नाम हैं। बता दें कि 24 फरवरी को यूक्रेन के खिलाफ जंग के ऐलान के बाद से अमेरिका और यूरोप के कई देशों ने रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद से रूस की इन देशों के साथ तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है। रूस की इस लिस्ट में अमेरिकी सीनेटर और प्रतिनिधि सभा के सदस्य, पूर्व और वर्तमान सरकारी अधिकारी, पत्रकार, सैन्यकर्मी, वकील, वहां के नागरिक और कई कंपनियों के सीईओ भी शामिल हैं। सीएनएन के मुताबिक रूस ने इस लिस्ट में कुछ ऐसे लोगों के नाम को भी शामिल किया है जिनकी पहले ही मौत हो चुकी है। इस लिस्ट में अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष मार्क मिले, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, केंद्रीय खुफिया एजेंसी के निदेशक विलियम बर्न्स और व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी शामिल हैं। समाचार के मुताबिक कनाडा को लेकर भी एक नई सूची जारी की गई है। रूसी विदेश मंत्रालय ने ऐलान किया है कि नई लिस्ट में कनाडा के 26 और लोगों के नाम भी जोड़े गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को सिंगल मदर ने पाला पोसा

-कठिन संघर्षों को पार कर पहुंचे शीर्ष पद पर

सिडनी (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया में आम चुनावों में बदलाव की बयार चली औ? जनता ने सत्ता परिवर्तन कर दिया है। स्कॉट मॉरिसन की लिबरल पार्टी को आम चुनावों में करारी पराजय का सामना करना पड़ा है और मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी को बढ़त हासिल हुई है। अब लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री होंगे। ऑस्ट्रेलिया की सत्ता में करीब एक दशक तक काबिज रहने के बाद लिबरल पार्टी अब विपक्ष में बैठेगी। एंथनी अल्बनीज को 'अल्बो' भी कहा जाता है, वह श्रमिक वर्ग की पृष्ठभूमि से आने वाले एक व्यावहारिक नेता हैं, जिसने देश में विभाजन को समाप्त करने का संकल्प लिया है। वर्तमान प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने शनिवार को चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली। लेबर पार्टी के नेता अल्बनीज ने कहा, 'मैं देश को एकजुट करना चाहता हूं। मुझे लगता है कि लोग एक साथ आना चाहते हैं, हमारे सामान्य हित की तलाश करना चाहते हैं, सामान्य उद्देश्य की उस भावना की ओर देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि लोगों में काफी विभाजन हो गया है। पब्लिक एक राष्ट्र के रूप में साथ आना चाहती है और मैं इसका नेतृत्व करने का इरादा रखता हूं।'

एंथनी अल्बनीज 26 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया संसद के सदस्य हैं। 2 मार्च, 1963 को सिडनी में जन्मे 59 वर्षीय अल्बो, ऑस्ट्रेलिया के 31वें प्रधानमंत्री होंगे। एक सिंगल मदर के बेटे अल्बनीज 1996 में पहली बार सांसद बने थे। जब जॉन हॉवर्ड देश के प्रधानमंत्री बने थे। अर्थशास्त्र के छात्र रहे अल्बनीज, केविन रुड और जूलिया गिलार्ड सरकार में मंत्री रह चुके हैं। वह 2013 में ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री भी बने थे और 2019 से नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे थे। एंथनी के पिता कार्लो अल्बनीज और मां मैरीने एलेरी हैं। कार्लो इटली के रहने वाले थे, जबकि मैरीने ऑस्ट्रेलिया की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्लो और मैरीने की मुलाकात 1962 में हुई थी, लेकिन एंथनी के जन्म के बाद दोनों अलग हो गए। एंथनी अल्बनीज का पालन पोषण उनकी मां ने अकेले ही किया। एक इंटरव्यू में अल्बो ने बताया था कि उनके पिता का निधन 2009 में एक कार एक्सीडेंट में हो गया था। वह अपने पिता से कभी नहीं मिल पाए थे। अल्बनीज के नाना जॉर्ज एलेरी एक बिजनेसमैन थे। उनका बचपन अपने नाना-नानी के यहां गुजरा। वर्ष 1970 में अल्बनीज के नाना की मौत हो गई। इसके बाद उनकी मां मैरीने ने जेम्स विलियमसन से दूसरी शादी की। जेम्स शराब का लती था और मैरीने के साथ मारपीट करता था। शादी के 10 हफ्ते बाद ही दोनों का तलाक हो गया। आर्थिक तंगी के बीच अल्बनीज की मां मैरीने एलेरी ने घर चलाने के लिए सफाई कर्मचारी के रूप में काम किया। उन्हें गठिया की बीमारी हो गई, जिसकी वजह से वह चल नहीं पाती थीं। सरकार से खुद को मिलने वाली विकलांग पेंशन और नानी की बुजुर्ग पेंशन से मैरीने एलेरी ने घर चलाया। एंथनी अल्बनीज ने सेंट जोसेफ प्राइमरी स्कूल और सेंट मैरी कैथड्रील कॉलेज से अपनी शुरूआती शिक्षा ली। इसके बाद कॉमनवेल्थ बैंक में 2 साल जॉब की। फिर यूनवर्सिटी ऑफ सिडनी से इकनॉमिक्स में उच्च शिक्षा हालिस की।

मोदी सरकार के फैन हुए इमरान, मरियम नवाज ने कहा- वहीं चले जाओ

इस्लामाबाद (एजेंसी)

इमरान खान की कुर्सी पर खतरा आया तो उन्हें हिन्दुस्तान की याद आई। भारत की विदेश नीति की तारीफ इमरान द्वारा कई बार की गई। लेकिन पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर भारत की तारीफ की है। इस बार खान ने रूस से 'रियायती' दर पर तेल खरीद कर पेट्रोल-डीजल के दाम कम करने के लिए भारत की प्रशंसा की है और कहा है कि उनकी सरकार भी 'स्वतंत्र विदेश नीति' की मदद से यह हासिल करने पर काम कर रही थी। लेकिन इमरान खान द्वारा मोदी सरकार की प्रशंसा में कहे गए शब्द पाकिस्तान के नए हुक्मरानों को रास नहीं आया। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी और नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भतीजी मरियम नवाज ने इमरान खान को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। मरियम नवाज की तरफ से तो इमरान को भारत जाने की नसीहत भी दे दी गई है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने कहा कि अगर इमरान खान को भारत इतना ही पसंद है तो उन्हें वहीं चले जाना चाहिए। इससे पहले भी मरियम की तरफ से इमरान खान को भारत जाने की नसीहत दी जाती रही है। मरियम ने इमरान को पाकिस्तान छोड़ भारत में ही शिफ्ट होने की नसीहत पहले भी दी है। भारत सरकार ने ईंधन उत्पादों की लगातार बढ़ती कीमतों से आम जनजीवन पर पड़ रहे असर को देखते हुए शनिवार को पेट्रोल एवं डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये एवं छह रुपये प्रति लीटर तक की कटौती करने की घोषणा की। जिसके बाद इमरान खान ने साउथ एशिया इंडेक्स की एक रिपोर्ट को अपने ट्वीट में टैग किया जो कहती है, 'रूस से रियायती कीमत पर तेल खरीदने के बाद, भारत सरकार ने पेट्रोल की कीमत को 9.5 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम सात रुपये प्रति लीटर कम कर दिए हैं।'

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बातचीत की

बीजिंग। (एजेंसी)

पाकिस्तान के नवनियुक्त विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने रविवार को चीन के गुआंगझोऊ में अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद बिलावल को देश का नया विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। यह विदेश मंत्री के तौर पर चीन की उनकी पहली यात्रा है। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एपीपी ने ट्वीट कर बताया कि बिलावल ने गुआंगझोऊ में चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी के साथ मुलाकात की।

दोनों नेताओं की मुलाकात गुआंगझोऊ में इसलिए हुई, क्योंकि राजधानी बीजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण आंशिक तौर पर लॉकडाउन लागू है। इससे पहले, बिलावल ने चीन पहुंचकर ट्वीट किया, 'अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के तहत गुआंगझोऊ में उतरा। आज पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ है। चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी के साथ पाकिस्तान और चीन के बीच मौजूद गहरे संबंधों पर बातचीत करने को लेकर उत्साहित हूं।'

बिलावल इससे पहले न्यूयॉर्क गए थे, जहां उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की थी और अमेरिका-पाकिस्तान के संबंधों को मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की थी। दोनों देशों के बीच संबंध पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शासनकाल में काफी खराब हो गए थे। ब्लिंकन से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से मुखातिब हुए बिलावल ने उन अटकलों को खारिज किया था कि अमेरिका के साथ संबंध बढ़ने से पाकिस्तान के चीन के साथ रिश्ते बिगड़ सकते हैं।

उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे को रोकने अमेरिका, दक्षिण कोरिया के साथ सैन्य अभ्यास को तैयार

सियोल (एजेंसी)

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन की परमाणु शस्त्रों की सनक से पूरी दुनिया को खतरा है ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने शनिवार को मुलाकात के बाद कहा कि उत्तर कोरिया के साथ वास्तविक कूटनीति की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है, ऐसे में वे उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे को रोकने के लिए विस्तारित सैन्य अभ्यास पर विचार करेंगे। ये घोषणा दोनों नेताओं द्वारा अपने पूर्ववर्तियों की नीति में बदलाव को दशार्ती है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अभ्यास को खत्म करने का विचार किया था और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के प्रति झुकाव दिखाया था।

वहीं, दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति मून जेई इन उत्तर कोरिया द्वारा बार-बार पीछे हटने के बावजूद अपने कार्यकाल के खत्म होने तक किम के साथ वार्ता के लिए प्रतिबद्ध थे। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच सहयोग 'सभी खतरों का एक साथ मुकाबला करने की हमारी तत्परता' को दशार्ता है। बाइडेन और यून ने एक संवाददाता सम्मेलन में इस बात को दोहराया कि उनका साझा लक्ष्य उत्तर कोरिया का पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने एक संयुक्त बयान जारी करके कहा कि वे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद 'नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था' के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बयान उत्तर कोरिया का आक्रोश और बढ़ा सकता है, जिसने अपने परमाणु हथियारों और मिसाइल विकास कार्यक्रमों का बचाव किया है, जिसे वह अमेरिकी खतरों के रूप में मानता है और लंबे समय से अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास को आक्रमण पूर्वाभ्यास के रूप में बताता है।

हालांकि, सहयोगियों ने अभ्यास को रक्षात्मक बताया है। बाइडेन ने एक बैठक में अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष से कहा कि दोनों देशों के बीच 70 साल का गठबंधन 'साझे बलिदान' पर आधारित है और इसे नए स्तरों पर ले जाया जाएगा क्योंकि व्यापार और प्रौद्योगिकी पर अतिरिक्त ध्यान देकर राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'दोनों देश इस समय अवसरों और चुनौतियों दोनों का सामना करने के लिए काम कर रहे हैं।' द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कोरियाई प्रायद्वीप के विभाजन से दो देशों का जन्म हुआ। बाइडन ने उत्तर कोरिया को टीकों की अपनी पेशकश को दोहराया क्योंकि कोरोनो वायरस देश में खतरनाक रूप से तेजी से फैल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह किम जोंग उन से मिलने के लिए तैयार हैं, बशर्ते उत्तर कोरिया के नेता 'ईमानदारी बरतें' और 'गंभीर' हों। बाइडेन ने कहा, 'हां, हमने न केवल उत्तर कोरिया को बल्कि चीन को भी टीके की पेशकश की है। हम तुरंत ऐसा करने के लिए तैयार हैं। हमें कोई जवाब नहीं मिला है।' दक्षिण कोरिया की यात्रा पर गए बाइडेन देश में कंप्यूटर चिप्स और अगली पीढ़ी के ऑटो के लिए कारखानों का दौरा कर रहे हैं और अधिक सहयोग के लिए बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, उत्तर कोरिया में इस वक्त बड़े पैमाने पर घातक कोरोना वायरस का प्रकोप है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने एयर फोर्स वन में सवार पत्रकारों से कहा कि अमेरिका ने दक्षिण कोरिया और जापान के साथ इस बात पर चर्चा की कि आखिर उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण या मिसाइल प्रक्षेपण का कैसे जवाब देंगे। सुलिवन ने इस सप्ताह की शुरूआत में अपने चीनी समकक्ष यांग जिएची के साथ भी बात की और बीजिंग से अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर उत्तर कोरिया को परीक्षण रोकने के लिए मनाने का आग्रह किया। एशिया की पांच दिवसीय यात्रा के तहत बाइडन ने शनिवार को यून के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाया जिन्होंने एक सप्ताह से थोड़ा अधिक समय पहले पदभार ग्रहण किया था।

सौर मंडल के ग्रहों पर बने रेत के टीलों से मिल सकती है उनके मौसम की जानकारी

मेलबर्न (एजेंसी)

मंगल या शुक्र की सतह पर होना कैसा लगता होगा? या इनसे भी दूर प्लूटो या शनि के उपग्रह टाइटन की सतह कैसी होती होगी?

इस उत्सुकता के कारण ही आज से 65 वर्ष पहले स्पूतनिक-एक को अंतरिक्ष में छोड़ा गया था और तभी से हम अंतरिक्ष की गहराइयों की खोज कर रहे हैं। पर अब तक हम केवल सतही तौर पर जान पाए हैं कि सौर मंडल के अन्य ग्रह और पिंड कैसे काम करते हैं।

'नेचर एस्ट्रोनॉमी' शोध पत्रिका में प्रकाशित हमारे नए अध्ययन में सामने आया है कि 'सैंड ड्यून' (रेत के टीले) सुदूर ग्रहों के मौसम की स्थिति के बारे में जानकारी दे सकते हैं। अंग्रेज कवि विलियम ब्लेक अपनी एक कविता में कल्पना करता है कि 'रेत के एक कण में पूरा संसार देखा जा सकता है।' हमने अपने अनुसंधान में इसे अक्षरशः महसूस किया। हमारे अध्ययन में रेत के टीलों की मौजूदगी से सतह की स्थिति का आकलन करने का विचार पनपा। रेत के टीले या 'ड्यून' के अस्तित्व के लिए कुछ चीजों का होना जरूरी है। पहले तो रेत के कण मौजूद होने चाहिए। इसके बाद इतनी तेज हवाएं चलनी चाहिए कि इन कणों को सतह से ऊपर इकट्ठा होने में मदद मिले, लेकिन ये हवाएं इतनी तेज नहीं होनी चाहिए कि रेत के कणों को वातावरण में पहुंचा दे। अभी तक, हवाओं की गति और तलछट जमा होने का मापन सीधे तौर पर पृथ्वी और मंगल पर ही संभव हो सका है। हालांकि, उपग्रहों और धूमकेतु तथा अन्य पिंडों पर भी हवा के वेग के कारण जमा हुए धूल के कणों से बनी आकृतियां देखी गई हैं। इन रेत के टीलों के अस्तित्व से ही पता चलता है कि इनके निर्माण के लिए जरूरी चीजें उस ग्रह या पिंड पर मौजूद रही होंगी। हमने अपना ध्यान शुक्र, पृथ्वी, मंगल, टाइटन, ट्राइटन (नेप्च्यून का सबसे बड़ा उपग्रह) और प्लूटो पर केंद्रित किया है। इन पिंडों के बारे में दशकों से बहस होती रही है। ट्राइटन पर बहने वाली वायु से बनी आकृतियों को हम प्लूटो के सतह पर बने टीलों से पृथक कैसे कर सकते हैं जबकि दोनों के वायुमंडल बेहद हल्के हैं? हमें मंगल पर रेत और धूल के तूफान क्यों दिखाई देते हैं जबकि वहां हवा की गति मंद होती है? और क्या शुक्र के बेहद गर्म और घने वायुमंडल में रेत हवा में उसी तरह उड़ सकती है जैसे धरती पर वायु या पानी बहता है?

हमारे अध्ययन में वायु के बहने का अनुमान पेश किया गया है और यह कि इन पिंडों पर धूल और रेत के कण जितनी आसानी से टूटते हैं ताकि हवा उन्हें बहा ले जाए।

टाइटन के बारे में बात करें तो हमें पता है कि उस उपग्रह की मध्यरेखा में रेत के टीले मौजूद हैं, लेकिन हमें यह नहीं पता कि वहां कौन सा पदार्थ एकत्र है। क्या वह पूरी तरह से 'आर्गेनिक' (कार्बन से बने पदार्थ) है जो वायुमंडल से गिरा है या वह और घनी बर्फ है? हमने पाया कि टाइटन की मध्यरेखा के क्षेत्र में अगर हवा चलने से आर्गेनिक धुंध बहेगी तो टकरा कर वह पदार्थ विखंडित हो जाएगी। इससे पता चलता है कि टाइटन पर रेत के टीले पूरी तरह आर्गेनिक पदार्थ की धुंध से नहीं बने हैं। टीले बनने के लिए लंबे समय तक हवा चलना जरूरी है, जैसे कि धरती पर बने बहुत से 'सैंड ड्यून' लाखों साल पुराने हैं। हमने यह भी पाया कि प्लूटो पर मीथेन या नाइट्रोजन बर्फ को बहाकर ले जाने के लिए वायु की गति बेहद तेज होनी चाहिए। इससे यह सवाल खड़ा होता है कि क्या प्लूटो की सपाट सतह पर मौजूद 'स्पूतनिक प्लेनिशिया', रेत का टीला है भी या नहीं। यह आकृतियां कणों के जमाव की बजाय ठोस से सीधा वाष्प बने पदार्थों से निर्मित हो सकती हैं। इस प्रक्रिया को 'सब्लिमेशन' कहा जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

24 घंटों में सामने आए कोरोना संक्रमण के 2,226 नए मामले, 65 लोगों की मौत

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोविड-19 के 2,226 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 4,31,36,371 पर पहुंच गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 14,955 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 65 और मरीजों के संक्रमण से जान गंवाने से मृतकों की संख्या 5,24,413 पर पहुंच गई है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0।03 प्रतिशत है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98।75 प्रतिशत दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 41 मामलों की कमी दर्ज की गई है। संक्रमण की दैनिक दर 0।50 प्रतिशत दर्ज की गई और साप्ताहिक संक्रमण दर भी 0।50 प्रतिशत रही। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,25,97,003 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1।22 प्रतिशत दर्ज की गई है। देश व्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 192।28 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर 2020 को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे। मंत्रालय के अनुसार, देश में जिन 65 और मरीजों ने जान गंवाई है, उनमें से 63 की मौत केरल में और एक-एक मरीज की मौत दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश में हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से अधिक मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

राकांपा नेता शरद पवार ने ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर चर्चा की

पुणे । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुखिया शरद पवार ने महाराष्ट्र में ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर बातचीत की। पवार ने यहां बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा,

'राकांपा के नेताओं के कुछ बयानों से उनमें कुछ असंतोष था। मैंने अपने नेताओं के साथ भी बैठक की और उनसे कहा कि उन्हें अन्य जातियों एवं समुदायों के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। मैंने अपनी पार्टी के सदस्यों से किसी जाति या धर्म के बारे में बयान नहीं देने कहा है।' पवार ने यह भी कहा कि कुछ ब्राह्मण संगठन समुदाय के लिए नौकरियों के और अवसर चाहते थे लेकिन उन्होंने उनसे कहा कि आरक्षण उनके लिए हल नहीं है क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि इस समुदाय का नौकरियों में पहले ही अच्छा प्रतिनिधित्व है।

दलित वोटरों को लुभाने के लिए बीजेपी ने तैयार किया यूपी वाला फामूर्ला

नई दिल्ली। जैसे जैसे गुजरात विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, राजनीतिक पार्टियां अपने अभियान को तेज कर रही हैं। इसी कड़ी में भाजपा ने भी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा अपनी दलित पहुंच को तेज करना चाहती है। इसी कड़ी में भाजपा ने दलित वोट बैंक को देखते हुए खुद को उनकी पार्टी के रूप में पेश करने की कोशिश शुरू की है। इन्हें अब तक परंपरागत रूप से बसपा का वोट बैंक माना जाता है। जैसे जैसे गुजरात विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, राजनीतिक पार्टियां अपने अभियान को तेज कर रही हैं। इसी कड़ी में भाजपा ने भी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा अपनी दलित पहुंच को तेज करना चाहती है। इसी कड़ी में भाजपा ने दलित वोट बैंक को देखते हुए खुद को उनकी पार्टी के रूप में पेश करने की कोशिश शुरू की है। इन्हें अब तक परंपरागत रूप से बसपा का वोट बैंक माना जाता है। उत्तर प्रदेश के एक पार्टी पदाधिकारी ने कहा कि अब तक बसपा के वोट बैंक के भाजपा की ओर शिफ्ट होने की बजाय हमें केवल 15 प्रतिशत वोट मिले, जबकि बड़ा हिस्सा (करीब 35 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी को मिला और शेष 50 प्रतिशत मायावती की तरफ ही बरकरार रहा। एक उदाहरण का हवाला देते हुए पदाधिकारी ने कहा कि आगरा ग्रामीण सीट पर जहां भाजपा की जाटव नेता बेबी रानी मौर्य ने बसपा की किरण प्रभा केशरी को 76,000 मतों के अंतर से हराया, बसपा उम्मीदवार कुल एससी वोटों का 70/ प्राप्त करने में सफल रही।

पाकिस्तान जाइए और दाऊद को पकड़ कर लाइए, संजय राउत ने नवाब मलिक और डी कंपनी के संबंध पर दिया बयान

मुम्बई। केंद्र सरकार ने बीते दिन पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। इसके बाद राजस्थान और केरल राज्य ने पेट्रोल और डीजल पर वैट घटाया है। वहीं महाराष्ट्र में तेल की कीमतों में वैट घटाने को लेकर शिवसेना सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने टैक्स कम करने से पहले कितना टैक्स बढ़ाया था। सरकार ने 15 रुपए बढ़ाए और 9 रुपए कम किया तो केंद्र के ट्रेजरी में जितना पैसा है उसमें से थोड़ा दे रहे हैं। राज्य सरकार की जो जिम्मेदारी है वो राज्य सरकार कर लेगी। राउत ने दाउद को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 40 साल से कितनी सरकार केंद्र में आई और चली गई, सबके मुंह में एक ही नाम है दाऊद। केंद्र सरकार को मालूम है कि दाऊद कहां, किस स्थिति में है तो पाकिस्तान जाइए और उसे पकड़ कर मुंबई लाइए। वो मुंबई बॉम्ब ब्लास्ट का सबसे बड़ा गुनहगार है। उन्होंने कहा, रजिस तरह से अमेरिका ने लादेन को मारा था। उसी तरह से मोदी सरकार को भी दाऊद को पकड़ कर लाना चाहिए। सिर्फ दाऊद- दाऊद करते रहने से कुछ नहीं होगा। संजय राउत ने केंद्र पर यह हमला पत्रकारों के नवाब मलिक और दाऊद इब्राहिम के संबंध में सवाल पर किया।

वर्ष 2030 तक भारत में हृदयघात से मरने वालों की संख्या सर्वाधिक होगी : डॉ. मंजूनाथ

बेंगलुरु। प्रख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. सी. एन. मंजूनाथ ने चेतावनी दी है कि वर्ष 2030 तक हृदय संबंधी बीमारियों से भारत में सर्वाधिक मौतें होंगी। उनका आकलन है कि उस समय हर चौथी मौत हृदय संबंधी बीमारियों से होगी। मंजूनाथ ने एचएएल के डॉक्टरों के लिए 'स्वस्थ्य कार्यबल सुनिश्चित करें' विषयपर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'एचएएल मेडिकॉन-2022' को संबोधित करते हुए यह बात कही।

हार्दिक के राजनीतिक भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं उनके ऊपर दर्ज 23 मुकदमे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

हार्दिक पटेल ने गत 18 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने दावा किया कि पाटीदार नेता को डर था कि उनके खिलाफ दर्ज किए गए देशद्रोह के मामलों में उन्हें जेल हो जाएगी। इसलिए उन्हें 'किसी' की शरण की जरूरत महसूस हुई। इसी वजह से उन्होंने कांग्रेस से विदाई ले ली।

हार्दिक के खिलाफ क्या मामले हैं, और वे उनके राजनीतिक करियर को कैसे प्रभावित कर सकते हैं? आइए विस्तार में समझने की कोशिश करते हैं। सन 2015 से 2018 के बीच दर्ज कम से कम 30 एफआईआर में हार्दिक को आरोपी के रूप में नामित किया गया है। इनमें से 7 मुकदमे 2015 में गुजरात में पाटीदार समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर हुए आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए थे, जिसमें दंगा और देशद्रोह जैसे कई आपराधिक अपराधों के लिए हार्दिक को आरोपित किया गया था। हार्दिक पटेल इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। पाटीदार आंदोलन में कथित आंतरिक विवादों के लिए हार्दिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उदाहरण के लिए, सरदार पटेल समूह के तत्कालीन उपाध्यक्ष प्रकाश पटेल की शिकायत पर हार्दिक के खिलाफ वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए, अगस्त 2015 में मेहसाणा के कांडी पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अन्य मामलों में 2016 में सूरत के सचिन पुलिस स्टेशन में जेल अधिनियम के तहत हार्दिक पटेल के खिलाफ एक मामला दर्ज हुआ था। जब उन्हें अदालत की सुनवाई में पेशी के लिए विसनगर ले जाया जा रहा था, उनकी जेब से एक मोबाइल फोन चार्जर, बैटरी और पत्र की बरामदगी हुई थी। इस मामले का निपटान 2017 में सूरत जेएमएफसी द्वारा कर दिया गया था।

हार्दिक पटेल के मुताबिक फिलहाल उनके खिलाफ 23 केस चल रहे हैं। हार्दिक पटेल ने 2016 में गुजरात हाईकोर्ट के समक्ष अपने खिलाफ दर्ज मामलों के संबंध में राहत की मांग करते हुए, शपथ ली थी कि वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी गतिविधि में शामिल हुए बिना, जो अपराध हो सकता है, पाटीदार समुदाय की परेशानियों को उठाते रहेंगे, और उसके निवारण के लिए सरकार का विरोध करना जारी रखेंगे। वह राज्य भर में कानून और व्यवस्था की स्थिति पैदा करने वाले किसी भी कार्य या गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे। किसी भी तरह से जनता को उकसाने वाली गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे।

लेकिन 2015 के पाटीदार आंदोलन से उपजी बाद की रैलियों और विरोध प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप 2016, 2017 और 2018 में हार्दिक के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज हुईं। गुजरात सरकार, इसका इस्तेमाल अक्सर सजा, जमानत या किसी भी मामले में राहत के लिए हार्दिक की याचिका का विरोध करने के लिए करती है। इनमें से अधिकांश एफआईआर सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन करते हुए गैरकानूनी सभा का आयोजन या राज्य प्राधिकरण द्वारा अनुमति देने से इनकार करने के बावजूद रैलियां या सार्वजनिक सभा आयोजित करने से संबंधित थीं। वर्तमान में, हार्दिक को कम से कम 11 मुकदमों में अदालती कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है, जो विभिन्न चरणों में लंबित हैं, इनमें 2 मुकदमे देशद्रोह के हैं। इस संबंध में एक एफआईआर अहमदाबाद के क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में और दूसरी एफआईआर सूरत के अमरोली थाने में दर्ज है। शेष मामलों में या तो राज्य द्वारा केस वापस ले लिया गया है, या गुजरात हाईकोर्ट द्वारा केस खारिज कर दिया गया है, या फिर सक्षम अदालत द्वारा केस में फैसला सुनाया गया है, या अब

तक कोई कार्यवाही शुरू नहीं हुई है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, एक दोषी व्यक्ति तब तक चुनाव नहीं लड़ सकता जब तक कि अदालत द्वारा उसकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगा दी जाती। एक मौजूदा सांसद/विधायक, अगर सीट धारण करने के कार्यकाल के दौरान दोषी ठहराया जाता है, तो उसे सजा के फैसले की तारीख से 3 महीने के अंदर सीट से अयोग्य घोषित किया जा सकता है, जब तक अपीलीय अदालत दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाती।

क्वाड शिखर वार्ता से समूह के कार्यों में हुई प्रगति की समीक्षा का अवसर मिलेगा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि जापान में क्वाड नेताओं की आमने-सामने की दूसरी शिखर वार्ता से चारों देशों के नेताओं को समूह द्वारा उठाए गए कदमों में हुई प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस वार्ता से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रमों के साथ ही आपसी हितों से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

जापान के दो दिवसीय (23-24 मई) दौरे पर रवाना होने से पहले मोदी ने एक बयान जारी कर कहा कि इस यात्रा के दौरान वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें दोनों नेता बहु-आयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा करेंगे। मोदी ने कहा, 'हम क्षेत्रीय घटनाक्रमों और समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर भी संवाद जारी रखेंगे।' प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जापान के अपने समकक्ष फुमियो किशिदा के निमंत्रण पर तोक्यो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मार्च 2022 में उन्होंने 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए किशिदा की मेजबानी की थी। मोदी ने कहा, 'तोक्यो की मेरी यात्रा के दौरान मैं भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से हमारी बातचीत को जारी रखने की उम्मीद करता हूं।'

उन्होंने कहा कि जापान में वह क्वाड नेताओं की आमने-सामने की दूसरी शिखर वार्ता में भी हिस्सा लेंगे, जिससे चार क्वाड देशों के नेताओं को क्वाड के कदमों की प्रगति की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रमों और आपसी हितों से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा करेंगे।' क्वाड सुरक्षा संवाद में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नेता शामिल होंगे।

मोदी ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज पहली बार क्वाड नेताओं की शिखर वार्ता में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं उनके साथ द्विपक्षीय बैठक को लेकर उत्साहित हूं, जिसमें वृहद रणनीतिक साझेदारी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुआयामी सहयोग और परस्पर हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर आम लोगों को दी बड़ी राहत : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने के फैसले का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रसरकार ने जनता को बड़ी राहत दी है। ईंधन उत्पादों की लगातार बढ़ती कीमतों से आम जनजीवन पर पड़ रहे असर को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल एवं डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये एवं छह रुपये प्रति लीटर तक की कटौती करने की घोषणा की। इसके साथ ही सरकार ने एलपीजी सिलेंडर पर भी 200 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एक साल में 12 गैस सिलेंडरों पर यह सब्सिडी दी जाएगी। अमित शाह ने ट्वीट किया, 'इस चुनौतीपूर्ण वैश्विक स्थिति में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर और गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देकर आम जनता को बहुत बड़ी राहत दी है। अन्य क्षेत्रों के लिए भी कई ऐसे कदम उठाए हैं जिससे उत्पादों के दाम में कमी आएगी।' गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी एक संवेदनशील नेता हैं जो देश के हर वर्ग की परवाह करते हैं। गृह मंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'मोदी जी देश के हर वर्ग की चिंता करने वाले एक संवेदनशील नेता हैं। इसलिए पिछले आठ वर्षों से देश के गरीब, किसान और आम जनता के हितों की चिंता हमेशा से मोदी सरकार के निर्णयों के केंद्र में रही है। इस जन-हितैषी निर्णय के लिए मोदी जी और निर्मला सीतारमण जी का आभार व्यक्त करता हूं।'

रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर होने पर ध्यान दें, राजनाथ सिंह का बयान

नागपुर (महाराष्ट्र)। (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को रक्षा क्षेत्र के हितधारकों से कहा कि वे 'बाहरी प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल बिठाते हुए रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर होने' पर ध्यान केंद्रित करें। एक रक्षा प्रवक्ता की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि महाराष्ट्र के नागपुर की अपनी यात्रा के दौरान सिंह ने रक्षा कमांडरों से कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सही रखरखाव और संचालन प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए भी कहा।

एयर मार्शल शशिकर चौधरी, एओसी-इन-सी मेंटेनेंस कमांड और असैन्य एवं सैन्य प्रतिष्ठानों के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने यहां हवाई अड्डा पहुंचने पर सिंह का स्वागत किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिंह ने हवाई अड्डे पर रक्षा क्षेत्र के कुछ हितधारकों के साथ बातचीत की। उन्हें इस क्षेत्र में सेना, वायु सेना और रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों सहित रक्षा प्रतिष्ठानों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा क्षेत्र के हितधारकों को संबोधित करते हुए सिंह ने उन्हें बाहर की प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल रखते हुए 'रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर' होने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

राशनकार्ड सत्यापन दिशानिर्देश को लेकर यूपी सरकार पर मुखर हुए सांसद वरुण गांधी, सपा, कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)

यूपी सरकार द्वारा राशनकार्ड सत्यापन के दिशानिर्देश को लेकर विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस, राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और सत्तारूढ़ दल भाजपा के सांसद वरूण गांधी ने मुखर हो निशाना साधा और आरोप लगाया कि चुनाव हो जाने के बाद उसने गरीबों का परित्याग कर दिया। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी सपा ने ट्वीट किया, 'गरीबों को राशन से वंचित करने की यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई तरकीब है। उसने गरीबों के वोट लेकर सत्ता हथियायी। अब सरकार को वादे के मुताबिक उन्हें पूरा राशन देना चाहिए।'

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि हाल के विधानसभा चुनाव के दौरान मुफ्त राशन का लगातार जिक्र करने वाली यह सरकार अब तथाकथित 'अपात्र' लोगों को इस लाभ से वंचित करने के लिए 'बकवास' दिशानिर्देश लागू कर रही है। उन्होंने जानना चाहा कि क्या राशन कार्ड के वितरण के समय मान्य मापदंड उसे बांटे जाने के बाद बदले गये और यदि राशन कार्ड

गलत लाभार्थियों के हाथों में चले गये तो सरकारी अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

भाजपा सासंद वरुण गांधी ने कहा, 'यदि आम आदमी के जीवन को प्रभावित करने वाले सभी मापदंड चुनाव को देखते हुए तय किये जायेंगे तो सरकार अपनी विश्वसनीयता गंवा बैठेगी।' उन्होंने ट्वीट किया, 'चुनाव से पहले पात्र एवं बाद में अपात्र।' वह उत्तर प्रदेश के उस कथित दिशानिर्देश पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें अपात्र कार्डधारकों को अपना कार्ड लौटाने अन्यथा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, 2013 के तहत कार्रवाई के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी गयी है। रालोद ने आरोप लगाया कि गरीबी का मापदंड बदलकर भाजपा सरकार राज्य में गरीबों की दयनीय दशा का मजाक उड़ा रही है।

भाजपा को मात देने के लिए कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी, क्षेत्रीय दल खुद साथ आ जाएंगे: जगदीप चोकर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के चिंतन शिविर का फलसफा भले ही 50 वर्ष से कम उम्र के नेताओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण, पदाधिकारियों के लिए पांच साल का कार्यकाल, एक परिवार-एक टिकट और खोया जनाधार वापस पाने की रणनीति पर ध्यान केन्द्रित करना रहा, लेकिन सबसे अधिक चर्चा पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के उस बयान की रही, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कोई भी क्षेत्रीय दल भाजपा को नहीं हरा सकता क्योंकि उनके पास विचारधारा का अभाव है। राहुल गांधी के इस बयान के बाद क्षेत्रीय दलों की कड़ी प्रतिक्रिया आई और देश में इस विषय पर एक नई बहस छिड़ गई।

इसी से जुड़े मुद्दों पर चुनाव सुधार की दिशा में काम कर रहे अग्रणी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के संस्थापक सदस्य और भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व निदेशक जगदीप चोकर से के पांच सवाल और उनके जवाबः सवालः राहुल गांधी के बयान और उसके बाद क्षेत्रीय दलों, खासकर कांग्रेस के सहयोगियों की ओर से ही सबसे तीखी प्रतिक्रिया आई। आप इसे कैसे देखते हैं? जवाबः मेरे ख्याल से तो कांग्रेस भी भाजपा को नहीं हरा सकती। जब कांग्रेस खुद भाजपा को नहीं हरा सकती तो वह दूसरों पर कैसे उंगली उठा सकती है। अगर वह भाजपा को हराने में सक्षम होती तो उसका यह कहना शायद वाजिब होता। लेकिन आज कांग्रेस की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। लोकसभा में कहां पहुंच गई है वह? कितने राज्य उसके पास रह गए हैं? इसलिए दूसरों पर सवाल खड़े करने से पहले कांग्रेस को अपने गिरेबान में देख लेना चाहिए था। मेरी समझ में तो कांग्रेस के पास खुद को बचाने की ही रणनीति नहीं है तो चुनाव लड़ने की क्या रणनीति होगी उसकी। इतना बुरा हाल है कांग्रेस का कि उसके अपने ही लोगों को पता नहीं है कि उसका अध्यक्ष कौन है।

परिवार के तीन लोग हैं और कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता तीनों की ओर देखते रहते हैं। 23-24 (जी-24) नेताओं ने कुछ कहने की कोशिश की थी, वह भी किसी को रास नहीं आया। कांग्रेस के लिए तो अपने अस्तित्व का सवाल है। अभी खुद को प्रासंगिक बनाने के लिए उसे रणनीति बनाने की जरूरत है। सवालः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने एक सुझाव दिया था कि कांग्रेस को 220-225 सीटों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। ऐसे में अगले लोकसभा चुनाव में आप क्या परिदृश्य उभरता देख रहे हैं? जवाबः मुझे नहीं पता कि क्या सोचकर तेजस्वी यादव ने यह सुझाव दिया है। वह यदि समझते हैं कि 225 या 220 सीटों पर कांग्रेस इतनी मजबूत है और वह भाजपा को हरा पाएगी तो तेजस्वी यादव को यह बताना चाहिए कि वो सीटें कौन-कौन सी हैं। कम से कम कांग्रेस को तो बताएं। रही बात चुनावी परिदृश्य की तो जो तथाकथित विपक्षी दल हैं, अगर वे इकट्ठा हो जाएं फिर शायद कुछ मुकाबला हो। लेकिन वे इकट्ठा होंगे नहीं। इसलिए, अभी जो पार्टी सत्ता में है, वही सत्ता में रहेगी। सवालः क्या कोई तीसरा मोर्चा भी बनने की संभावना है? जवाबः तीसरा मोर्चा कहां से बनेगा? ना कोई एक दूसरे को पसंद करेगा, ना ही यकीन करेगा। चंद्रशेखर राव की बात क्या ममता बनर्जी मानेंगी या तेजस्वी यादव मानेंगे?

ममता की बात क्या मायावती मानेंगी? अखिलेश यादव की बात क्या नवीन पटनायक मानेंगे? देश में एक ही व्यक्ति प्रधानमंत्री हो सकता है, 15 नहीं। सिर्फप्रधानमंत्री की आलोचना करने या गाली देने से नेता कोई नहीं बन सकता। सवालः आजादी के 75 साल के बाद देश की राजनीति किस दिशा की ओर बढ़ते देख रहे हैं आप? गठबंधन की राजनीति का क्या भविष्य है? जवाबः किसी भी राजनीतिक दल में देश को लेकर कोई भावना नहीं बची है। हर राजनीतिक दल का लक्ष्य केवल सत्ता हासिल करना रह गया है। वे सिर्फ अपने दल के भले के बारे में सोचते हैं। अफसोस की बात है, लेकिन कड़वी सच्चाई है। एक दल का नारा था कि हमको कांग्रेस मुक्त भारत चाहिए। अब धीरे-धीरे वह विपक्ष मुक्त भारत में बदल गया है और आज की तारीख में भारत विपक्ष मुक्त है। इसमें एक बड़ी भूमिका इलेक्टोरल बॉन्ड की है। और भी कई सारी चीजें हैं।लोकतांत्रिक प्रक्रिया देश में नाम मात्र की है और शायद नाम मात्र की ही रहे।

सवालः भाजपा को मात देने के लिए कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी है या कमजोर रहना? मजबूत होने की स्थिति में क्या क्षेत्रीय दल उसके साथ आएंगे? जवाबः भाजपा को मात देना है तो कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी है। लेकिन कांग्रेस मजबूत होती दिख नहीं रही है। कांग्रेस मजबूत होनी चाहिए इसमें तो कोई दो राय नहीं है लेकिन सिर्फ यह कहने से या सोचने से तो कांग्रेस मजबूत नहीं हो रही है। कांग्रेस के लोग ही कांग्रेस को मजबूत करेंगे, जब वे अपने निजी स्वार्थ को छोड़कर पार्टी को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। मैं फिर से कह रहा हूं कि कांग्रेस को मजबूत होना चाहिए। वह मजबूत होगी तो क्षेत्रीय दल खुद साथ आ जाएंगे। लोकतंत्र में प्रतिपक्ष को मजबूत होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में पारदर्शिता और जवाबदेही के विस्तार के लिए सरकार दे ध्यान।

देश के जाने-माने सूचना आयुक्त और सामाजिक क्षेत्र की हस्तियों ने किया संबोधित

100 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का हुआ आयोजन

100 कार्यक्रमों के बाद रेजोल्यूशन तैयार कर सरकार को भेजेंगे प्रस्ताव

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पारदर्शिता और जवाबदेही के कानून सूचना के अधिकार कानून आमजन तक किस प्रकार पहुंचे और कैसे इसे मजबूती प्रदान की जाए इस विषय को लेकर आयोजित किए जाने वाला राष्ट्रीय स्तर के वेबीनार अपने 100 वें पड़ाव पर पहुंचा।

ज्ञातव्य है की यह कार्यक्रम 28 जुलाई 2020 से कोविड-19 लॉक डाउन के दौरान प्रारंभ किया गया था जो इस 22 मई 2022 को अपने 100 वें पड़ाव पर पहुंचा है। इस बीच कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर आयोजित किया गया। आयोजक मंडल से सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने बताया की वेबीनार 22 मई को सुबह 9:00 से दोपहर 12:35 तक एवं 01:00 से 2:00 तक लंच के बाद पुन: 2:00 बजे से शुरूहोकर शाम 6:00 बजे तक चला।

कार्यक्रम में देश के जाने-माने सूचना आयुक्त व मजदूर किसान शक्ति संगठन के सह संस्थापक एवं अन्य सामाजिक क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियों ने संबोधित किया।

कार्यक्रम दो भागों और कुल 10 सेशन में रखा गया। कार्यक्रम का संचालन एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी, अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा एवं वरिष्ठ पत्रकार मृगेंद्र सिंह एवं उनकी टीम के द्वारा किया गया।

इन इन वक्तओं ने कार्यक्रम को किया संबोधित

कार्यक्रम का शुभारंभ मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह ने किया जिसमें उन्होंने कार्यक्रम के बैकग्राउंड और अब तक के 100 तक के प्रवाह के विषय में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस राजीव लोचन मेहरोत्रा, पूर्व रिटायर्ड जज डीसी वर्मा, मजदूर किसान शक्ति संगठन के सह संस्थापक निखिल डे, अरुणा रॉय, शंकर सिंह और पारस बंजारा, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, पूर्व केंद्रीय मुख्य सूचना आयुक्त सत्यानंद मिश्रा, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप, सतर्क नागरिक संगठन की प्रमुख एवं आरटीआई एक्टिविस्ट अंजलि भारद्वाज, आरटीआई हेल्पलाइन गुजरात से आरटीआई एक्टिविस्ट पंक्ति जोग, फोरम फॉर फास्ट जस्टिस के होनोरेरी ट्रस्टी

प्रवीण पटेल, उड़ीसा से ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट जयंत कुमार दास, जाने-माने आरटीआई कार्यकर्ता सुभाष चंद्र अग्रवाल, उत्तराखंड के आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर, युवा आरटीआई एक्टिविस्ट एवं पत्रकार सौरभ दास, माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक भास्कर प्रभु, राजस्थान के वर्तमान सूचना आयुक्तनारायण बारेठ, हरियाणा के पूर्व राज्य सूचना आयुक्तभूपेंद्र धर्मानी, छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्य सूचना आयुक्तमोहन पवार, पत्रकारिता क्षेत्र से सागर सतना पत्रिका समूह के जोनल हेड राजेंद्र सिंह गहरवार, सोशल ऑडिट क्षेत्र से झारखंड से डायरेक्टर गुरजीत सिंह, कर्नाटक से आरटीआई एक्टिविस्ट वीरेश बेलूर, आरटीआई वर्कर ताराचंद्र जांगिड़, राव धनवीर सिंह, देवेंद्र अग्रवाल, कानपुर से केएम भाई, जोधपुर से सुरेंद्र जैन, मध्य प्रदेश से गोविंद पाटीदार, राज तिवारी, जयपाल सिंह खींची, रिटायर्ड डीएसपी तालेकर, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित,

क्रांति समय मीडिया से सुरेश मौर्य आदि प्रतिभागियों ने कुल 10 अलग-अलग सेशन में विस्तार से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

इन इन विशिष्ट मुद्दों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन उद्बोधन से हुआ जिसमें मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने आरटीआई कानून के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इसके बाद कार्यक्रम में मानवाधिकार और आरटीआई जिसमें आरटीआई कार्यकर्ताओं के ऊपर हो रहे हमले पर चर्चा हुई। तदोपरांत सेशन 2 से लेकर 10 तक जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें से प्रमुख रूप से सुशासन और आरटीआई, न्यायपालिका और आरटीआई सहित आरटीआई की धारा 8, 9 और 11 के दुरुपयोग जिसमें लोक सूचना अधिकारियों द्वारा जानकारी छुपाई जाती है विषयक चर्चा, आरटीआई कानून की धारा 4 जिसमें स्वयमेव ही आरटीआई कानून के वर्ष 2005 में क्रियान्वयन के 120 दिन के भीतर जानकारी पब्लिक फोरम में साझा करनी थी और जो आज तक नहीं हुई, आरटीआई क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका, सूचना आयोगों में बढ़ रही पेंडेंसी एवं आयोग के आदेशों की अवहेलना, जवाबदेही कानून की आवश्यकता और देश के विभिन्न राज्यों में जवाबदेही कानून की स्थिति, आरटीआई कानून का उपयोग कर पत्रकारिता के क्षेत्र में क्या और कैसे बदलाव लाए जाएं, आरटीआई के बाद सोशल ऑडिट अर्थात सामाजिक अंकेक्षण कैसे किया जाता है उसके विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और आरटीआई कानून के द्वारा देश में आरटीआई कार्यकर्ताओं ने क्या-क्या बदलाव किए हैं उनकी उपलब्धियों और सक्सेस स्टोरी जैसे कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम के अंत में विदाई समारोह आयोजित हुआ जिसमें पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त एवं इस कार्यक्रम में शुरूसे ही प्रमुख रूप से भूमिका निभाने वाले शैलेश गांधी ने पूरे कार्यक्रम की प्रशंसा की और कहा कि आज देश में आरटीआई कानून की जगह-जगह चर्चा हो रही है और वह जीवित है यही बहुत बड़ी उपलब्धि है वरना सरकारें तो आरटीआई कानून को खत्म कर देना चाह रही हैं। और उसमें यदि सबसे बड़ा योगदान खत्म करने के पीछे किसी का है तो वह न्यायपालिका है जो आरटीआई कानून को लगातार संशोधित कर रही है। संशोधन इतना बुरा है कि नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।

कार्यक्रम के अंत में शैलेश गांधी ने कहा कि हालांकि हिम्मत हारने की जरूरत नहीं है और इसी प्रकार लगे रहने से भविष्य में बड़े बदलाव होंगे। लोकतंत्र में बोलने लिखने और जानकारी की स्वतंत्रता मूलभूत अधिकारों में सम्मिलित है और यही हमारे भारत के लोकतंत्र की ताकत है। सभी को प्रण करके पारदर्शिता और जवाबदेही लाने की दिशा में इसी प्रकार मिलजुल कर प्रयास करते रहना चाहिए।

कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तआत्मदीप ने कई सेशन का संचालन किया और अपने महत्वपूर्ण विचार रखे।

कार्यक्रम के सफल संचालन के बाद उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का धन्यवाद दिया गया और कार्यक्रम का समापन किया गया।